RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः63 , गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मैट्रिक-इंटर 2026 के टॉपर्स का जिला प्रशासन ने किया सम्मानित 03

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर मोतिहारी में जश्न, पटाखे फोड़कर व मिठाइयाँ बाँटकर... 04

'फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है... पूजा हेगड़े ने 'जन... 07

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या के राम मंदिर पहुंचे कांग्रेस के 14 विधायक

- एमएलए ने कहा-हमारी जीवनभर की इच्छा आज पूरी हुई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस के विधायक टी.बी. जयचंद्र बुधवार को भगवान श्रीराम के दर्शन और उनका आशीर्वाद लेने के लिए अयोध्या पहुंचे। उन्होंने इस यात्रा को अपने जीवन के लिए एक बहुत ही खास और महत्वपूर्ण अनुभव बताया। उनका कहना था कि यह उनके लिए गर्व और खुशी का पल है क्योंकि यह उनकी अयोध्या की पहली यात्रा है। टी.बी. जयचंद्र ने कहा कि वे लंबे समय से इस पवित्र स्थान पर आने की इच्छा रखते थे ताकि भगवान राम के दर्शन कर सकें और उनका आशीर्वाद ले सकें। उन्होंने यह भी बताया कि उनके साथ कर्नाटक के कई अन्य विधायक भी इस यात्रा में शामिल हुए हैं। कुल मिलाकर

लगभग 13 से 14 विधायक अयोध्या पहुंचे हैं, जो सभी भगवान राम के दर्शन और आशीर्वाद के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर जो भव्य मूर्ति स्थापित की गई है, वह एक बहुत ही सुंदर और खास कलाकृति है। इस मूर्ति को कर्नाटक के प्रसिद्ध शिल्पकार अरुण योगीराज ने बनाया है, जिस पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। अयोध्या आना उनके लिए एक भावनात्मक और खुशी से भरा पल है, क्योंकि यह उनकी लंबे समय से पूरी होने वाली इच्छा थी। उन्होंने यह भी बताया कि दर्शन के बाद वे सभी विधायक दिल्ली लौटेंगे और संसद सत्र में भाग लेंगे। उनका कहना था कि यह यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ उनके लिए एक यादगार अनुभव भी बन गई है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर फिर शुरू होगी बातचीत

- भारतीय-डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन रवाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से रुकी हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर अगले हफ्ते बातचीत फिर से शुरू होने वाली है। केंद्र सरकार का एक हाई-लेवल डेलिगेशन अगले सप्ताह वॉशिंगटन रवाना होगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका में टैरिफ नियमों और अदालती फैसलों की वजह से व्यापारिक समीकरण बदल गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को सरकारी सूत्रों ने डेलिगेशन की इस यात्रा की पुष्टि की। पहले इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी,

लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प शासन के दौरान लागू टैरिफ व्यवस्था और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले ने स्थितियों को कठिन बना दिया है। दोनों देशों ने फरवरी में व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा तैयार कर ली थी। इस फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका भारतीय सामानों पर आयात शुल्क यानी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी करने पर सहमत हो गया था। हालांकि, इसके तुरंत बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के लगाए गए कुछ पुराने टैरिफ नियमों को रद्द कर दिया।

अमेरिकी नाकेबंदी पर बड़ा ऐलान, यूएई को भी तगड़ा झटका

ईरान के लिए तारणहार बनेगा भारत का बनाया चाबहार पोर्ट!

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ऐसा हथियार साबित हो रहा है जिसका अमेरिका और इजरायल के पास कोई तोड़ नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट पर से ईरानी कंट्रोल को खत्म करने के लिए अमेरिका ने नाकेबंदी लगाई है और युद्धपोतों के साथ हजारों की तादाद में सैनिकों को भी तैनात किया है। अब इसकी काट के लिए ईरान ने नई चाल चल दी है। ईरान ने कहा है कि वह दक्षिण ईरान में मौजूद अपने बंदरगाहों के इस्तेमाल की योजना बना रहा है ताकि अमेरिकी नाकेबंदी को फेल किया जा सके। ईरान के पास देश के दक्षिणी इलाके में दो बंदरगाह हैं पहला-बंदर अब्बास और दूसरा चाबहार। चाबहार पोर्ट को भारत ने करोड़ों डॉलर खर्च करके बनाया है। इन दोनों ही पोर्ट से भारत संग ईरान व्यापार करता है।

ईरान का बंदर अब्बास पोर्ट ठीक होर्मुज स्ट्रेट के मुहाने पर है जिसे अमेरिका ने घेर रखा है। ऐसे में ईरान के पास चाबहार पोर्ट एक बड़े विकल्प के रूप में बचता है। अमेरिका ने सोमवार से ही अपने नाकेबंदी को लागू कर दिया है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। भारत ने चाबहार पोर्ट में करोड़ों डॉलर का निवेश किया है और इसी के रास्ते भारत मध्य एशिया तक अपना व्यापार करता है। यही नहीं भारत और रूस के बीच बन रहे कॉरिडोर को भी इसी चाबहार पोर्ट के रास्ते गुजरना है। ईरान का यह चाबहार पोर्ट होर्मुज स्ट्रेट से काफी दूर है।

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान ने यूएई के प्रस्ताव को ठुकराया

इस बीच ईरान ने यूएई को भी होर्मुज स्ट्रेट पर बड़ा झटका दिया है। ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है जिसमें उसने सेफ एक मेरिटाइम कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव को यूएई ने इंटरनैशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के जरिए ने किया था जिसे संगठन ने स्वीकार कर लिया था। ईरान ने कहा है कि यूएई के इस प्रस्ताव का कोई कानूनी आधार नहीं है। साथ ही यह राजनीति से प्रेरित है। बता दें कि अमेरिका और इजरायल के बाद ईरान ने सबसे ज्यादा मिसाइल और ड्रोन हमला यूएई पर ही किया है। दोनों के बीच संबंधों में काफी तनाव देखा जा रहा है। यूएई लगातार होर्मुज स्ट्रेट को खोलने और कोई टोल नहीं वसूलने की मांग कर रहा है।

- अमेरिकी नाकाबंदी 'लापरवाही भरी चूक'- पाकिस्तान में ईरान के राजदूत ने मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकाबंदी को गरिमापूर्ण तरीके से पीछे हटने और अपनी साख बचाने के लिए संभवत: की गई एक लापरवाही भरी चूक करार दिया। राजदूत रेजा अमीरी मोघदम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह बेकार के बयानों से लेकर लापरवाही भरी हरकतें करने तक और फिर वापस यही क्रम दोहराने का एक खतरनाक चक्र है।' उन्होंने कहा, नौसैनिक नाकेबंदी एक अवैध कदम है।

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाएगा भारत

रूस के साथ बड़ी साझेदारी की तैयारी में इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारत के महत्वाकांक्षी स्पेस स्टेशन प्रोजेक्ट 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के निर्माण में रूस के साथ साझेदारी की इच्छा जताई है। इसरो के वरिष्ठ अधिकारी ने मॉस्को में आयोजित एक अंतरिक्ष मंच पर यह जानकारी दी। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज ने कहा कि बीएएस के विकास में रूस के अनुभव का लाभ उठाने के लिए भारत सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देश मिलकर काम कर सकते हैं।

रूस की तकनीकी मदद अहम, दशकों पुराना अंतरिक्ष सहयोग

रूस, भारत को ऑर्बिटल मॉड्यूल, लाइफ सपोर्ट सिस्टम, और डॉकिंग सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों में सहयोग दे सकता है। रूस के पास 'एमआईआर' स्पेस स्टेशन और आईएसएस के रूसी हिस्से 'रशियन ऑर्बिटल सेग्मेंट' का व्यापक अनुभव है। भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में सोवियत संघ (अब रूस) ने मदद की थी। 1975 में भारत के पहले उपग्रह आर्यभट का प्रक्षेपण भी सोवियत संघ से हुआ था। क्रायोजेनिक इंजन तकनीक और गगनयान मिशन के लिए भी रूस ने अहम भूमिका निभाई है।

सम्राट चौधरी बने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री

- शपथ के बाद नीतिश के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

जेडीयू से विजय चौधरी-बिजेंद्र यादव डिप्टी सीएम बने

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतिश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतिश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया।

बिहार में नरेंद्र मोदी और नीतिश मॉडल ही चलने वाला है- शपथ ग्रहण के बाद मीडिया से बाद करते हुए सम्राट चौधरी ने पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पदभार संभालते ही स्पष्ट कर दिया है कि बिहार के विकास और शासन व्यवस्था के लिए नरेंद्र मोदी और नीतिश मॉडल ही चलेगा। मुख्यमंत्री कहा कि आज से ही मैं काम करना शुरू कर दूंगा। बिहार के लोग पूरी तरह से संतुष्ट रहें। बिहार में नरेंद्र मोदी और नीतिश मॉडल ही काम करेगा। इसके पहले सीएम के दौर पर शपथ ली तो उन्हें बधाइयां मिलनी शुरू हो गई।

तीन थिएटर कमान का ब्लूप्रिंट तैयार, वाइस सीडीएस का पद भी बनेगा

पाक-चीन के खिलाफ तीनों सेनाओं की दो संयुक्त कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार तीनों सेनाओं के ढांचे में बड़ा बदलाव करने जा रही है। इसके तहत अब थल, वायु और नौसेना संयुक्त रूप से थिएटर कमान के तौर पर काम करेंगी। पाकिस्तान से निपटने के लिए वेस्टर्न तो चीन से मुकाबले के लिए नार्दर्न थिएटर कमान होगी। हिंद महासागर के बड़े समुद्री क्षेत्र की रखवाली के लिए मैरीटाइम कमान बनेगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की अगुवाई में डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स ने पिछले सैन्य संघर्षों के अनुभवों से सबक लेते हुए इनके ब्लूप्रिंट तैयार किए हैं। इन्हें अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पास भेजेंगे। फिर कैबिनेट समिति मुहर लगाएगी। सीडीएस का विस्तारित कार्यकाल मई अंत में पूरा हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि जनरल चौहान के अवकाश ग्रहण करने के बाद सीडीएस के साथ वाइस सीडीएस का पद भी बनेगा। नए रोडमैप के तहत रक्षा बलों का भी विस्तार होगा। इसके अलावा, स्पेस और साइबर कमांड भी गठित करने की योजना है।

जल्द मिलेंगी 4 नई फोर्स, वेस्टर्न कमान वायुसेना संभालेगी- देश को डिफेंस जियो स्पेशियली एजेंसी, डेटा, ड्रोन और कॉग्नेटिव वॉरफेयर एक्शन फोर्स मिलेंगी। कॉग्नीटिव फोर्स ह्यूमन माइंड्स के बैटलफील्ड पर काम करेगी। प्रतिद्वंद्वी की सैन्य ताकत को मानसिक स्तर पर प्रभावित करने के तरीके अपनाएगी। नया सैन्य ढांचा- इसमें 5 फोर स्टार जनरल होंगे।

10 साल में 5 बार चीन-पाकिस्तान से टकराव

सैन्य सूत्रों के अनुसार, एक दशक में पाकिस्तान और चीन के साथ हुए 5 टकरावों से मिले कौशल, चुनौतियों और खामियों को फिल्टर कर नया ढांचा तैयार किया है। इनमें, पाकिस्तान के खिलाफ 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 में 88 घंटे चला ऑपरेशन सिंदूर शामिल है। वहीं, चीन के खिलाफ 2017 के डोकलाम और 2020 के गलवान संघर्ष के सबक शामिल हैं। इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों के अनुसार अलग-अलग सेवाओं की स्वतंत्र कार्रवाई में कम्युनिकेशन गैप और रिसोर्स ओवरलैप जैसी समस्याएं सामने आईं। ऑपरेशन सिंदूर में पहली बार 88 घंटे के भीतर तीनों सेनाओं का कम्पलीट इंटीग्रेशन देखा गया। मिसाइल स्ट्राइक्स, ड्रोन स्वार्म, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और ग्राउंड फोर्स का तालमेल भरपूर रहा।

चीन की 'आंख' से ईरान ने की अमरीका की जासूसी

- मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर बरसाए बम, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर नजर रखने और हमलों को टारगेट करने के लिए एक चीनी सैटेलाइट का इस्तेमाल किया। यह दावा फाइनेंशियल टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में किया गया है, जिसमें लीक हुए ईरानी सैन्य दस्तावेज और सैटेलाइट डेटा का हवाला दिया गया है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक यह सैटेलाइट 2024 के अंत में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स एयरोस्पेस फोर्स ने हासिल किया था। इसे चीन की कंपनी अर्थ आई कंपनी ने बनाया था और इन-ऑर्बिट डिलीवरी मॉडल के तहत अंतरिक्ष में ही ईरान को ट्रांसफर किया गया। हालांकि, चीन ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मीडिया में आई ये रिपोर्टें पूरी तरह झूठी हैं और अगर अमेरिका इन आरोपों के आधार पर टैरिफ बढ़ाता है, तो चीन जवाबी कदम उठाएगा।

अमरावती यौन उत्पीड़न केस के आरोपी के घर बुलडोजर ऐक्शन

- दावा-180 नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण किया, 350 वीडियो मिले

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अमरावती जिले के परतवाड़ा में लड़कियों के यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर के घर पर प्रशासन ने बुधवार को बुलडोजर चलाया। जांच के लिए प्रशासन ने 46 सदस्यीय विशेष जांच दल बनाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तनवीर समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी लड़कियों को फंसाते थे, फिर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर अश्लील वीडियो बनाते थे। पुलिस ने इन चारों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया। जहां उन्हें सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दावा है कि आरोपियों के पास 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले हैं, जिनसे वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहे थे।

आरोपी का मोबाइल फोन जब्त

अब पुलिस यह जांच कर रही है कि आरोपी ने अश्लील वीडियो अपने दोस्तों या किसी संगठित गिरोह के साथ शेयर किए थे या नहीं। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस डिवाइस में कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग भी थाने पहुंचे। इन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

- ट्रांजिट जमानत पर रोक, तेलंगाना एचसी के फैसले को पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की ट्रांजिट बेल पर रोक लगा दी है। मालूम हो कि, यह बेल उन्हें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कथित तौर पर कई पासपोर्ट रखने का आरोप लगाने के मामले में दर्ज एफआईआर के सिलसिले में दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस.चांदुरकर की बेंच ने खेड़ा को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें तेलंगाना हाई कोर्ट ने खेड़ा को दी गई अग्रिम (ट्रांजिट) बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हालांकि, बेंच ने यह भी कहा कि खेड़ा असम में आवेदन कर सकते हैं।

नासिक धर्मांतरण केस के पीछे संगठित नेटवर्क का खुलासा

आर्थिक रूप से कमजोर नई कर्मचारियों को करते थे टारगेट

- शिकायत करने पर फटकारती थी मैनेजर

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित टीसीएस कंपनी ऑफिस में धर्म परिवर्तन, यौन शोषण केस की पुलिस जांच में सामने आया है कि एक संगठित नेटवर्क नए कर्मचारियों को निशाना बनाता था। इस केस में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी नई जॉइन करने वाली कर्मचारियों की निजी जानकारी के आधार पर 'टारगेट' चुनते थे। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे कर्मचारियों को निशाना बनाया जाता था। अब तक की जांच के अनुसार गिरफ्तार एचआर मैनेजर अश्विनी चेनानी ने तौसीफ अत्तार से 38 बार, दानिश शेख से 1 बार, रजा मेमन से 22 बार और आपत्तिजनक चैट की थी।

वित्तीय लेन-देन की जांच में सहयोग नहीं कर रही

पीड़ित लड़कियों ने जब आरोपियों के खिलाफ शिकायत की तो अश्विनी ने शिकायत को जानबूझकर नजरअंदाज किया। उलटा उसने पीड़ित को ही फटकार लगाई। सोमवार को तीन दिन की हिरासत समाप्त होने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया। वह वित्तीय लेन-देन की जांच में पुलिस का बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रही है। इसलिए उसकी पांच दिन की हिरासत मांगी गई थी। हालांकि, अदालत ने उसे दो दिनों के लिए हिरासत में भेज दिया। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रशिक्षण के दौरान हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की जाती थी। जब पीड़ित परेशान होते थे, तब मैनेजर भरोसा जीतती थी।

संक्षिप्त समाचार

आर्यन गोलीकांड का आरोपी अरेस्ट, युवक को दोनों पैर में गोली मारी, लड़की का वीडियो वायरल करने की धमकी दी

बीएनएम @ हाजीपुर। पुलिस ने आर्यन गोलीकांड का खुलासा कर दिया है। दो दिन पहले नगर थाना क्षेत्र के गर्दनिया चौक पर एक युवक के दोनों पैरों में गोली मारने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना एक लड़की का वीडियो वायरल करने की धमकी देने के कारण हुई थी। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि इस मामले में प्रिंस नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। प्रिंस ने पूछताछ में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि घायल आर्यन कुमार, घटना में शामिल एक आरोपी के घर की लड़की का वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। इसी बात को लेकर आर्यन और लड़की के परिवार वालों के बीच विवाद हुआ था। घटना से लगभग एक घंटे पहले दोनों पक्षों के बीच एक पंचायत भी हुई थी, लेकिन बात नहीं बन पाई। इसके बाद राहुल कुमार और आदर्श कुमार ने आर्यन के दोनों पैरों में गोली मार दी और फरार हो गए। एसडीपीओ ने यह भी बताया कि आर्यन को गोली मारने का उद्देश्य उसे केवल डराना था, ताकि वह वीडियो वायरल न करे। गोली मारने का इरादा जान से मारने का नहीं था। फिलहाल, पुलिस राहुल कुमार और आदर्श कुमार सहित अन्य दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। घायल आर्यन कुमार का इलाज जारी है।

मध्याह्न भोजन में कीड़े मिले, बच्चों ने हंगामा किया, वैशाली में एनजीओ ने बिस्किट बांटे, मामले की जांच शुरू

बीएनएम @ हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय खजब्बत्ता में मध्याह्न भोजन में कीड़े मिलने के बाद छात्रों ने जमकर हंगामा किया। घटना के बाद, मध्याह्न भोजन परोसने वाले एनजीओ ने बच्चों को वैकल्पिक भोजन के रूप में बिस्किट बांटे। इस घटना ने एनजीओ और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। पूर्व में भी कई बार भोजन में कीड़े या छिपकली मिलने की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों को परोसा जाने वाला भोजन अक्सर खाने योग्य नहीं होता, फिर भी बच्चे उसे किसी तरह खाते हैं। बुधवार को प्रतिदिन की तरह एनजीओ द्वारा मध्याह्न भोजन भेजा गया था। जब बच्चे दोपहर के भोजन के लिए बैठे, तो उन्हें अपने खाने में कीड़े दिखाई दिए। इसके बाद बच्चों में गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। स्कूल के शिक्षकों ने तुरंत बच्चों को शांत कराया और घटना की जानकारी मध्याह्न भोजन परोसने वाली शक्ति एकता फाउंडेशन (एनजीओ), बिदूपुर को दी। गर्मी के कारण बिहार के सभी शैक्षणिक संस्थान सुबह की पाली में चल रहे हैं। सरकारी स्कूल सुबह 06:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होते हैं, जिसमें छात्रों का लंच टाइम सुबह 09:00 बजे से 09:40 बजे तक होता है। सूचना मिलने के बाद एनजीओ के प्रतिनिधि तुरंत स्कूल पहुंचे और सुबह 10:51 बजे बच्चों को बिस्किट बांटे, जिससे उन्होंने अपनी भूख मिटाई। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष भारद्वाज ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिली है और मामले की गहन जांच करवाई जा रही है।

वैशाली में बिजली तार पर मिला किसान का शव, परिजन बोले-करंट लगने से मौत दिखाने की कोशिश

बीएनएम @ हाजीपुर। वैशाली में 45 वर्षीय किसान की पीट-पीटककर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बिजली के तार से घिरे खेत में फेंक दिया, ताकि इसे करंट लगने से हुई मौत दिखाया जा सके। घटना मंगलवार की शाम पातेपुर थाना क्षेत्र के नीरपुर कुसाही गांव में हुई। मृतक की पहचान स्व. गेना राय के बेटे देवेंद्र राय(45) के रूप में हुई है। मंगलवार देर शाम तक जब देवेंद्र राय खेत से घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। ग्रामीणों ने परिजनों को बताया कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। परिजन जब घटनास्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने शव को महेंद्र राय के खेत में पड़ा पाया। यह खेत बिजली के तारों से घिरा हुआ था। परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए आशंका जताई है। मृतक देवेंद्र राय अपने दो भाइयों में सबसे बड़े थे और उनकी एक बेटी है। उनके भतीजे पवन कुमार ने बताया कि देवेंद्र राय भूसा लेने के लिए घर से करीब 4 किलोमीटर दूर अपने खेत गए थे। पवन कुमार ने यह भी बताया कि हाल ही में देवेंद्र राय ने जमीन खरीदी थी, जिसे लेकर गांव के कुछ लोगों से उनका विवाद चल रहा था। परिजनों ने इस जमीन विवाद को हत्या का संभावित कारण बताया है। पवन के अनुसार, मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी जख्म का निशान नहीं है। उन्हें आशंका है कि गला दबाकर हत्या की गई है और फिर शव को यहां फेंका गया है। घटना की सूचना मिलते ही पातेपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी की है। हालांकि, पातेपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने प्रारंभिक तौर पर बताया कि किसान की मौत करंट लगने से हुई है।

परिजन पर जबरन शादी और पति पर दुष्कर्म का आरोप, शादी के 2 महीने बाद घर से भागी

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 18 वर्षीय युवती ने अपने ही परिजनों पर जबरन शादी कराने और पति पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इसको लेकर पीड़िता ने अहियापुर थाने में आवेदन दिया है। पीड़िता के अनुसार, 1 फरवरी को उसके जीजा और मामा ने मां की सहमति लेकर उसे घूमाने के बहाने मंदिर ले गए, जहां उसकी मर्जी के खिलाफ सहदुल्हापुर राघोपुर निवासी युवक से जबरन शादी करा दी गई। युवती का आरोप है कि यह शादी मोटी रकम लेकर कराई गई। शिकायत में बताया गया है कि शादी के बाद 5 और 6 फरवरी को आरोपी पति ने उसे कमरे में बंद कर मारपीट की और जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद उसे लगातार घर में बंधक बनाकर रखा गया और प्रताड़ित किया जाता रहा। करीब दो महीने तक उत्पीड़न झेलने के बाद 31 मार्च को युवती किसी तरह मौका पाकर वहां से भाग निकली और अपनी दूसरी बहन के घर पहुंची। इसके बाद उसने अहियापुर थाने में आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी दी। मामले में अहियापुर थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि एक युवती ने आवेदन दिया है। आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे लाइन के पास मिली लाश, घर से बिना बताए निकला था मैकेनिक, ट्रेन से कटने की आशंका

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में आमगोला रेल ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। मृतक की पहचान मिठनपुरा दास कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय सुरेश कुमार दास के रूप में की गई है। बुधवार सुबह रेल लाइन किनारे शव मिलने की सूचना पर रेल पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुट गई। मृतक के परिजन मिथलेश दास ने बताया कि सुरेश कुमार दास मंगलवार रात घर से बिना बताए निकल गए थे। वे कहां जा रहे थे, इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। उन्होंने बताया कि मृतक कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और पहले गैरेज में काम करते थे, लेकिन फिलहाल कोई काम नहीं कर रहे थे। उनके दो बेटे हैं, जो बाहर रहते हैं। परिजनों के अनुसार, बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि उनके परिजन का शव रेल लाइन के पास पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने शव की पहचान की। स्थानीय निवासी किशन कुमार और राजा कुमार के अनुसार, ओवरब्रिज होने के बावजूद लोग अक्सर रेल लाइन पार करते हैं, जिससे यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। मामले में आरपीएफ के कांस्टेबल शिवचंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से गिरने या ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत हो रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पटना में रिटायर्ड एसबीआई मैनेजर से 95 लाख की ठगी

फेसबुक पर लड़की ने इन्वेस्टमेंट के नाम पर फंसाया, फर्जी ट्रेडिंग ऐप से बनाया शिकार

बीएनएम @ पटना

पटना में ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। साइबर थाना पटना में दर्ज शिकायत के मुताबिक एसबीआई के रिटायर्ड गृह ऋण शाखा के मुख्य प्रबंधक अमरेंद्र कुमार सिन्हा से इन्वेस्टमेंट के नाम पर 95 लाख रुपए की ठगी हुई है। आरोपी ने खुद को कंपनी की CEO बताकर फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए उन्हें जाल में फंसाया। उन्होंने साइबर थाना पटना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

आवेदन के मुताबिक, अमरेंद्र कुमार सिन्हा 31 अगस्त 2024 को एसबीआई से रिटायर हुए थे। इस दौरान उन्हें अच्छी खासी रकम मिली। इस रुपए को किसी अच्छी जगह पर निवेश करने की उनकी मंशा थी। रिटायरमेंट के बाद वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने लगे। इस दौरान फेसबुक पर आए "वेपलोग" नाम के ऐड पर उन्होंने क्लिक किया। इसके बाद उनकी बातचीत साक्षी अग्रवाल नाम की युवती से शुरू हुई। उसने खुद को मुंबई की VV कंस्ट्रक्शन की CEO बताया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। दोनों ने व्हाट्सएप नंबर, आधार कार्ड और एक दूसरे की तस्वीर आपस में शेयर किया।

एक दूसरे के बीच नजदीकी बढ़ाने के बाद साक्षी अग्रवाल ने अमरेंद्र कुमार सिन्हा को Polyus Finance Pic प्लेटफार्म में निवेश करने की सलाह दी। फिर 25.8.2025 को अमरेंद्र अग्रवाल ने साक्षी के जरिए पहले ट्रेडिंग में 43000 रुपए निवेश किया। इसके बाद पहली निकासी 2 सितंबर 2025 को 1978 रकम की निकासी भी कराई गई, जिससे भरोसा बढ़ता गया। अमरेंद्र अब साक्षी अग्रवाल के बताए अनुसार ट्रेडिंग करते चले गए। अमरेंद्र के मुताबिक, दो बार साक्षी अग्रवाल ने वीडियो कॉलिंग के जरिए बातचीत की। इसके अलावा अधिकतर बातचीत व्हाट्सएप चैटिंग के जरिए हुई। इस दौरान ट्रेडिंग होती गई और 31 अक्टूबर 2025 को एसेट्स वैल्यू 3 लाख 50 हजार तक पहुंच गई। अमरेंद्र के मुताबिक, 1 नवंबर 2025 को अमरेंद्र ने अपने एसेट्स से 1 लाख निकासी के लिए प्रयास किया। इस दौरान Polyus Finance Pic प्लेटफॉर्म से उन्हें 2 नवंबर 2025 को मेल के जरिए बताया गया कि आपको 15%, यानि Rs.45 lacs एक्सचेंज एण्ड कमिशन के रूप में पहले जमा करना होगा। अमरेंद्र ने 16 नवंबर 2025 को रुपए जमा कर दिए। ट्रेडिंग से एक्सचेंज कमिशन के दरमियान साक्षी अग्रवाल के द्वारा भी Rs.15.20 lacs का ट्रैडिंग खाता में योगदान दिखाया गया था, जिससे साक्षी अग्रवाल के प्रति और विश्वास बढ़ गया। फिर उन्हें मेल आया और ऑडिट के लिए 5,33,114 जमा करने के लिए कहा गया, जिसे 20 नवंबर को उन्होंने जमा कर दिया।

पटना में विवाहिता पर गर्म दूध फेंका, बेहरमी से पीटा

बीएनएम @पटना

♦ दहेज के लिए छीने गहने, देवर समेत ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप, 6 साल पहले हुई थी शादी

पटना जिले के नेउरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेउरागंज में एक विवाहिता के साथ दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला के साथ मारपीट कर उस पर गर्म दूध फेंककर जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उनके गले से मंगलसूत्र, कान का झुमका और पायल भी छीन लिया।

रात 1 बजे कमरे में घुसकर किया हमलाः पीड़िता पूनम देवी के अनुसार, घटना बीती रात करीब 1 बजे की है। वह अपने पति निप्पू कुमार के साथ कमरे में सो रही थीं, तभी गोतनी ममता देवी, ससुर श्याम पुकार चौधरी, सास सीता देवी, ननद आरती कुमारी और प्रिया कुमारी तथा देवर गुड्डू कुमार ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर पूनम की बेरहमी से पिटाई की और उन पर गर्म दूध फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पूनम ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उन पर मायके से पैसे लाने का दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती थी। घटना के समय उनके पति भी मौजूद थे, लेकिन डर के कारण उन्होंने कोई विरोध नहीं किया। पीड़िता के पिता कमलेश चौधरी ने बताया कि दिसंबर 2020 में हिंदू रीति-रिवाज से बेटी की शादी की थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज के लिए परेशान कर रहा था। कभी 50 हजार रुपए तो कभी मोटरसाइकिल के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की जाती थी। उन्होंने बताया कि कई बार समझौते के बावजूद स्थिति नहीं सुधरी। पूनम के दो छोटे बच्चे भी हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

हरसिद्धि में शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पांच लीटर चुलाई शराब के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को मंगलवार रात बड़ी सफलता मिली। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने पांच लीटर चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मठलोहियार पंचायत के वार्ड संख्या 8 स्थित भगतहा टोला में छापेमारी कर अनवत राम को गिरफ्तार किया गया। उसके घर से पांच लीटर चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस के अनुसार वह लंबे समय से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त था और गुप्त रूप से इसकी बिक्री करता था। वहीं दूसरी कार्रवाई में चडरहिया पंचायत से नारायण महतो को शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें कई अहम जानकारियां मिलने की बात कही जा रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने साफ कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस छापेमारी दल में एसआई प्रीतम कुमार के साथ सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

रामेश्वर मध्य विद्यालय में यूथ एंड इको क्लब का गठन, पौधरोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत अंतर्गत मचवा चौक स्थित श्री रामेश्वर राजकीय मध्य विद्यालय, सोनबरसा में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यूथ एंड इको क्लब का विधिवत गठन किया गया। क्लब में 10 छात्र और 10 छात्राओं का चयन कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे और फूलों का पौधरोपण किया गया। साथ ही स्कूल परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे पूरे विद्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद महतो ने बच्चों को संबोधित करते हुए पर्यावरण सुरक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग एक गंभीर चुनौती बन चुकी है, जिससे निपटने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने बच्चों को समझाया कि पेड़-पौधों का संरक्षण, जल बचाव और स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कदम उठाकर पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सकता है। साथ ही यह भी बताया कि पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की अहम भूमिका होती है और इसकी शुरुआत अपने आसपास से ही करनी चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे और उन्होंने भी बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। मौके पर वरीय शिक्षक बैजनाथ पासवान, छठू राउत, मुकेश कुमार, मनोज कुमार, अमित कुमार तिवारी, अभिषेक कुमार, शारदा कुमारी और अनुराधा कुशवाहा सहित अन्य मौजूद रहे।

शिक्षा से दूर बच्चों को फिर स्कूल से जोड़ने की मुहिम तेज, एसडीओ अंजली शर्मा के निर्देश पर चला विशेष नामांकन अभियान

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। शिक्षा का अधिकार हर बच्चे तक पहुंचे और आठवीं के बाद कोई भी छात्र-छात्रा पढ़ाई से वंचित न रह जाए, इसे लेकर अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा के निर्देश पर विशेष नामांकन अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी में आठवीं उत्तीर्ण बच्चों के लिए विशेष नामांकन अभियान चलाया गया। एसडीओ के निर्देशानुसार विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदन मोहन नाथ तिवारी को यह जिम्मेदारी दी गई कि आठवीं पास सभी छात्र-छात्राओं का पंचायत क्षेत्र के उच्च विद्यालयों में नामांकन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाए। अक्सर देखा जाता है कि आठवीं के बाद कई बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होता है। इसी गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए यह पहल शुरू की गई। अभियान को सफल बनाने के लिए राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक प्लस टू विद्यालय झखरा के प्रधानाध्यापक राजकुमार पासवान, शिक्षक रवि शंकर और प्रभात कुमार के साथ मदन मोहन नाथ तिवारी ने गांव-गांव जाकर अभिभावकों से संपर्क किया। उन्होंने आठवीं उत्तीर्ण बच्चों के परिजनों को आगे की पढ़ाई के महत्व के बारे में जागरूक किया और जल्द नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया। इस प्रयास का सकारात्मक असर अब देखने को मिल रहा है। बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी है, वहीं अभिभावक भी अपने बच्चों को आगे पढ़ाने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चलाया गया यह अभियान शिक्षा के क्षेत्र में एक सार्थक और प्रेरणादायक पहल साबित हो रहा है।

रेलवे टीटी के घर दिनदहाड़े चोरी, 10 लाख से अधिक के जेवर-नकदी ले उड़े चोर

बीएनएम @पटना

पटना सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। चोरों ने रेलवे टीटी के बंद घर को निशाना बनाते हुए 10 लाख रुपये से अधिक के जेवरात और 20 हजार रुपये नकद उड़ा लिए। दिनदहाड़े हुई इस चोरी से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं।

2 घंटे में साफ कर दिया घरः पीड़ित रेलवे टीटी विनोद प्रसाद सिन्हा पटना जंक्शन पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी रीता देवी दोपहर में घर में ताला लगाकर बाहर गई थीं। करीब दो घंटे बाद जब वह लौटीं, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जाने पर देखा कि गोदरेज अलमारी का सेफ भी तोड़ा जा चुका था। उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर और नकद गायब थे।

CCTV खंगाल रही पुलिस, FSL टीम कर रही पड़तालः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से जांच शुरू की। आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान हो सके।

कुम्हरार के पास की घटना, केस दर्जः थाना प्रभारी राजेश कुमार झा ने बताया कि घटना कुम्हरार के नजदीक हुई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच में जुटी है।

ढाबे में टोकन सिस्टम से चल रहा था सेक्स रैकेट, मुजफ्फरपुर में 2 महिलाएं गिरफ्तार

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर पुलिस ने बुधवार को सेक्स रैकेट की सूचना पर एक ढाबे पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान ढाबे के मैनेजर मिथलेश कुमार और लाइनर अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, ढाबा महिला फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। मामला गरहां थाना क्षेत्र के पटियासा पेट्रोल पंप के पास स्थित मोहिनी ढाबे का है। ढाबे से दो महिलाओं को भी गिफ्तार किया गया है। गिरफ्तार महिलाओं ने पुलिस को बताया कि होटल के मैनेजर ने आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था। वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर जबरन देह व्यापार करवाता था।

सुनियोजित तरीके से चल रहा था देह व्यापारः टाउन-2 SDPO विनीता सिन्हा और ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम मिलकर ढाबा में रेड की। जांच में पता चला कि ढाबे में देह व्यापार सुनियोजित तरीके से चल रहा था। ग्राहकों को एंट्री के लिए टोकन दिए जाते थे और लेन-देन का हिसाब एक रजिस्टर में मेंटेन किया जाता था। इससे यह साफ होता है कि सेक्स रैकेट का धंधा लंबे समय से संगठित रूप में संचालित किया जा रहा था।

महिलाओं से जबरन कराया जाता था देह व्यापारः पुलिस की टीम जैसे ही छापेमारी करने पहुंची तो ग्राहक और कुछ अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। हालांकि टीम ने दो महिलाओं को मौके से पकड़ा है। महिलाओं से पुलिस को बताया कि ढाबे के मैनेजर हमलोगों से जबरन देह व्यापार करवाता है।

बाकी आरोपियों की जल्द होगी गिरफ्तारीः सिटी SP मोहिबुल्ला अंसारी ने बताया कि हमें दोपहर में सूचना मिली कि एक ढाबे में सेक्स रैकेट चल रहा है। हमने टीम का गठन किया। रेड के दौरान 2 महिलाओं को बरामद किया है। महिलाओं ने बताया कि मैनेजर ने धोखे से हमारा गलत वीडियो बना लिया था। वो उस वीडियो को दिखाकर हमें ब्लैकमेल करता था। मैनेजर कहता था कि मैं जैसा कहूं करो नहीं तो तुम्हारा वीडियो वायरल कर दूंगा। महिलाओं ने बताया कि बदनामी के डर से वो चुप रही और ये करती रहीं। मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य संलिप्त लोगों की पहचान कर ली गई है, जल्द उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

पशुपति पारस अस्पताल में भर्ती चिराग को देखते ही गले लगाया

बीएनएम @ पटना

♦ केंद्रीय मंत्री बोले- वो पिता की तरह हैं, राजनीति अपनी जगह रिश्तों में हम सब एक हैं

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की तबीयत अचानक खराब हो गई। सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद उन्हें पटना के कंकड़बाग में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनका इलाज कर रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चिराग पासवान अपने चाचा के बीमार होने की सूचना पर उनसे मिलने पहुंचे। अस्पताल के बेड पर लेटे पशुपति पारस ने जैसे ही चिराग को देखा वो भावुक हो गए। उन्होंने अपने भतीजे को गले लगा लिया।

चिराग बोले- वे मेरे पिता की तरह हैंः चिराग पासवान ने कहा कि 'पशुपति पारस उनके लिए पिता समान हैं। मैं यहां एक राजनेता के तौर पर नहीं, बल्कि एक बेटे के तौर पर अपने अभिभावक का हाल जानने आया हूं। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन परिवार में भले ही वैचारिक मतभेद रहे हों, सेहत और पारिवारिक रिश्तों के मामले में हम सब एक हैं। वे मेरे अभिभावक हैं और इस समय उनके साथ होना मेरा धर्म है।' चिराग पासवान ने अस्पताल में डॉक्टरों की टीम से भी चाचा की तबीयत को लेकर बात की। चिराग ने अपने X अकाउंट से चाचा से मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कर उनके स्वस्थ होने की कामना की है। बता दें कि साल 2021 के बाद से लोक जनशक्ति पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी, जिसमें एक गुट की कमान पारस ने संभाली, जबकि चिराग पासवान ने अपनी अलग पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) बनाई। राम विलास पासवान के निधन के बाद चिराग पासवान और पशुपति पारस के रिश्तों में खटास आ गई थी।

चाचा और भतीजे का था पॉलिटिकल विवादः 28 नवंबर 2000 को रामविलास पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी बनाई थी। 2020 में रामविलास का निधन हुआ। चिराग पासवान और पशुपति पारस पार्टी की कमान को लेकर आमने-सामने आ गए। 14 जून 2021 को लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) टूट गई।

संक्षिप्त समाचार

जिले में एलपीजी गैस आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं सुचारू रूप से संचालित हो रही है। 14 अप्रैल 2026 तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न तेल कंपनियों जिसमें आईओसीएल, एचपीसीएल एवं बीपीसीएल के माध्यम से जिले में गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।वर्तमान में जिले में कुल 115 गैस एजेंसियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। विगत 01 अप्रैल 2026 से 14 अप्रैल 2026 की अवधि में कुल 2,31,865 गैस बुकिंग दर्ज की गई, जिसके विरुद्ध 2,00,392 सिलेंडरों का सफलतापूर्वक वितरण किया गया है। बुकिंग के अनुरूप गैस की आपूर्ति तीव्र गति से की जा रही है। केवल 14 अप्रैल 2026 को एक ही दिन में 18,821 बुकिंग प्राप्त हुई, जबकि 19,852 सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में जिले में 24,096 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है तथा 94,014 सिलेंडरों की मांग लंबित है, जिसे शीघ्र पूरा करने की प्रक्रिया जारी है। जिले के सभी 115 वितरक उपभोक्ताओं तक होम डिलीवरी के माध्यम से गैस पहुंचाने में सक्रिय रूप से संलग्न हैं, जिससे वितरण प्रणाली और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनी हुई है। वहीं, होम डिलीवरी नहीं करने वाले 03 गैस एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला प्रशासन द्वारा सभी उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि वे अनावश्यक रूप से गैस की बुकिंग न करें तथा गैस का उपयोग केवल घरेलू प्रयोजनों के लिए ही करें। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06252-242418 पर तत्काल दें। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वाहन जांच में बड़ी सफलता, चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जितना थाना पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में वाहन चोरों के खिलाफ चल रहे अभियान को मजबूती मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जितना थाना क्षेत्र के अगरवा गांव में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर एचएचडी मशीन से उसकी जांच की। जांच में पता चला कि उक्त बाइक केसरिया थाना कांड संख्या 527/19 में चोरी की दर्ज है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मोटरसाइकिल को तुरंत जब्त कर लिया और चालक श्याम किशोर यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी अगरवा गांव का निवासी बताया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि चोरी की गाड़ियों की बरामदगी और अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके।

बोलेरो के गुप्त तहखाने से 5.485 किलो गांजा बरामद

बीएनएम @मोतिहारी। हरैया थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो वाहन से 5.485 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई रक्सौल के कस्टम चौक के पास वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरैया थाना पुलिस और एसएसबी 47वीं वाहिनी की टीम मैत्री ब्रिज की ओर से नेपाल से आने वाले वाहनों की सघन जांच कर रही थी। इसी दौरान एक बोलेरो (रजिस्ट्रेशन नंबर BR10 P7265) को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर नेपाल बॉर्डर की ओर भाग निकला और फरार हो गया। इसके बाद दंडाधिकारी एवं राजस्व अधिकारी, रक्सौल की मौजूदगी में वाहन की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बोलेरो की सीट में बने गुप्त तहखाने से प्लास्टिक में लिपटे दो पैकेट बरामद हुए। जांच में इन पैकेटों में कुल 5.485 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ पाया गया। इस मामले में हरैया थाना कांड संख्या 55/26 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। इस संयुक्त कार्रवाई में थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान, विरेन्द्र कुमार आजाद, गृहरक्षक अजय प्रसाद, जोखन सिंह तथा एसएसबी 47वीं वाहिनी (पनटोका, रक्सौल) की टीम शामिल रही।

कई थाना क्षेत्रों में पुलिस की छापेमारी, भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नेपाली शराब जब्त की है। इस दौरान 03 विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया, जबकि 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ हुई इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। घोड़ासहन थाना क्षेत्र के बालापुर लोटाहा पुल के पास छापेमारी के दौरान पुलिस ने 165.6 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब और 02 मोटरसाइकिल के साथ 02 विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया। पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के भलुआ गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 130 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब, 02 मोटरसाइकिल तथा 01 विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया। आदापुर थाना क्षेत्र में गस्ती के दौरान पुलिस ने 36 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई जारी है। इसके अलावा पचपकड़ी थाना क्षेत्र के भंडार गांव में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक मोटरसाइकिल पर लदी 96.9 लीटर नेपाली देसी शराब बरामद की गई। हालांकि तस्कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है और जिले में शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नेपाल सीमा से सटे इलाकों में विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि तस्करी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

मुफ्फसिल थाना पुलिस का बड़ा खुलासा, चोरी कांड में 2 गिरफ्तार, सामान बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है। यह कार्रवाई डीपीएस स्कूल, चंद्रहिया के पास गुप्त सूचना के आधार पर की गई। बुधवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी के सामान का इस्तेमाल कर रहे हैं। सूचना मिलते ही परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष कुमारी प्रियंका के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान मौके से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान ओसी अख्तर तथा अरविन्द कुमार के रूप में हुई है। दोनों पूर्वी चम्पारण जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से एक बिल्डिंग मशीन, एक कटर मशीन, एक पेंट स्प्रे मशीन, पांच पीस बिल्डिंग रॉड और तीन सीसीटीवी कैमरे बरामद किए हैं। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि यह सभी सामान धनसुरत पटेल के घर से चोरी किया गया था। इस मामले में पहले से मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 186/26 दिनांक 18 मार्च 2026 को दर्ज है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में पु०अ०नि० चंदन कुमार, पु०अ०नि० विपिन कुमार, परि०पु०अ०नि० रोहन कुमार, परि०पु०अ०नि० बलवीर कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। बरामद सामान में एक बिल्डिंग मशीन, एक कटर मशीन, एक पेंट स्प्रे मशीन, पांच पीस बिल्डिंग रॉड और तीन सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं।

हत्या के प्रयास और एनडीपीएस एक्ट के 2 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जितना थाना पुलिस ने विशेष कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जितना थाना कांड संख्या 05/25 (एनडीपीएस) के अप्राथमिकी अभियुक्त विकास कुमार को गिरफ्तार किया गया है। वह अगरवा गांव का निवासी बताया गया है। वहीं थाना कांड संख्या 100/26 (हत्या के प्रयास) के प्राथमिकी अभियुक्त शेरु राय को भी पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर लिया। वह रागनियां गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नक़ली नोट, विदेशी मुद्रा एवं साइबर सुरक्षा पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारतीय रिज़र्व बैंक, पटना द्वारा पूर्वी चंपारण में बैंक कर्मियों, सरकारी संस्थाओं एवं आम जनता के लिए नक़ली नोटों की पहचान, उनकी रोकथाम, विदेशी मुद्रा विनिमय तथा साइबर सुरक्षा से संबंधित एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया।इस कार्यक्रम में आरबीआई पटना के महाप्रबंधक अमित कुमार, उपमहाप्रबंधक नीरज कुमार, राज्य पुलिस, सशस्त्र सीमा बल, आतंकवाद निरोधक दस्ता तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारीगण ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नक़ली नोटों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर उनके प्रसार को रोकना, विदेशी मुद्रा का विनिमय केवल अधिकृत माध्यमों से कराने के लिए प्रेरित करना तथा डिजिटल लेनदेन के बढ़ते उपयोग के साथ उत्पन्न साइबर जोखिमों के प्रति जागरूकता विकसित करना था। पूर्वी चंपारण एक सीमावर्ती जिला होने के कारण इस प्रकार का प्रशिक्षण विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। भारतीय बैंकनोटों के सुरक्षा फीचर्स, नक़ली नोटों की पहचान के व्यावहारिक पहलुओं, नक़ली नोटों के प्रबंधन एवं रिपोर्टिंग प्रणाली तथा कटे-फटे एवं गंदे नोटों के विनिमय की प्रक्रिया पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। यह सत्र बैंकिंग प्रणाली को प्रथम स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ। राज्य पुलिस, सशस्त्र सीमा बल एवं आतंकवाद निरोधक दस्ता के अधिकारियों को नक़ली भारतीय मुद्रा की पहचान, सुरक्षा विशेषताओं तथा भारत सरकार एवं आरबीआई के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। इससे इन एजेंसियों की क्षमता संवर्धन एवं अंतर-एजेंसी समन्वय को बल मिला।टाउन हॉल बैठक के रूप में आयोजित इस सत्र में नागरिकों को नक़ली नोटों से बचाव, भारतीय मुद्रा की सुरक्षा विशेषताओं, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, साइबर धोखाधड़ी के तरीकों एवं उनसे बचने के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही, विदेशी मुद्रा के विनिमय को केवल अधिकृत संस्थाओं के माध्यम से करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों को आरबीआई की जागरूकता वेबसाइट "पैसा बोलता है" के उपयोग हेतु भी प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम के अंत में एक संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान किया गया। इन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से नक़ली नोटों की पहचान एवं रोकथाम, बैंकिंग दक्षता, सरकारी संस्थाओं के समन्वय तथा आम जनता में साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय जागरूकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। यह पहल एक सुरक्षित, पारदर्शी एवं विश्वसनीय वित्तीय प्रणाली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम बने सम्राट चौधरी, एनडीए व राष्ट्रीय लोक मोर्चा में उत्साह की लहर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय के तहत बुधवार को सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर एनडीए गठबंधन एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कार्यकर्ताओं में हर्ष और उल्लास का माहौल है।राष्ट्रीय लोक मोर्चा, चिकित्सा प्रकोष्ठ, बिहार के अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने इस अवसर पर हर्ष व्यक्त करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, हम के संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी तथा लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. कुमार ने कहा कि सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री पद पर मनोनयन बिहार के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उनके कुशल नेतृत्व में राज्य नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार "सबका साथ, सबका विकास" की नीति पर कार्य करते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देगी, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर प्रदेश के सभी वर्गों में खुशी और आशा का वातावरण देखा जा रहा है।राष्ट्रीय लोक मोर्चा की ओर से बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से रामपुकार सिन्हा, जिलाध्यक्ष ई. रमेश पासवान, प्रधान महासचिव प्रो. सुरेंद्र प्रसाद, रुपलाल कुशवाहा, प्रमोद सिंह, डॉ. शैलेश कुमार, राजनारायण प्रसाद, गणेश कुशवाहा, मधु सिंह, कौशल कुमार, खुशबू कुमारी, हनीफ हवारी, विजय सिंह, डॉ. शम्भू कुशवाहा, भागीरथ प्रसाद, मुजीबूर रहमान, नीतीश कुमार, राजन शुक्ला, हरिकिशोर कुशवाहा, भिखारी सिंह, प्रेम चंद प्रसाद सहित कई अन्य का नाम शामिल है।

गांधी संग्रहालय स्थित पुस्तकालय का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी गांधी संग्रहालय निधि कुमारी एवं महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के सीएसआर की प्रभारी प्रो. डॉक्टर सपना सुगंधा के साथ गांधी संग्रहालय के प्रथम तल पर स्थित लाइब्रेरी का निरीक्षण बुधवार को किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान प्रभारी पदाधिकारी निधि कुमारी के द्वारा बताया गया कि इस पुस्तकालय में कुल 1700 से अधिक पुस्तकें रखी हुई है। यहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था बनाई गई है। 60 से 70 व्यक्ति बैठकर यहां अच्छे से अध्ययन कर सकते हैं। पुस्तकालय शनिवार एवं रविवार को भी खुला रहेगा। वहीं महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की प्रभारी पदाधिकारी डॉक्टर सपना सुगंधा के द्वारा बताया गया कि गांधी संग्रहालय के बेहतर संचालन में सेंट्रल यूनिवर्सिटी हर संभव सहयोग करेगा। यहां पर कूलर और आरो (पेयजल) की व्यवस्था कराई जा रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पुस्तकालय के लिए अपनी तरफ से भी किताबें देगा जिससे यहां सुविधाएं और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय बनकट में चल रहा है परंतु इस पुस्तकालय के स्थापित हो जाने से मोतिहारी शहर में ही छात्र/छात्रों सहित अन्य लोगों को पुस्तकालय की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय के बच्चे भी यहां पहचान पत्र के साथ आएंगे और अध्ययन करेंगे। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय के बच्चों के अतिरिक्त जो बच्चे या लोग यहां अध्ययन के लिए आएंगे उनके लिए भी आई कार्ड की सुविधा प्रदान की जाए।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स' पर एक सप्ताहीय कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा "मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एवं क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री" विषय पर एक सप्ताहीय (पांच दिवसीय) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर; एल.एस. कॉलेज, मुजफ्फरपुर; आर.डी.एस. कॉलेज, मुजफ्फरपुर; एम.एस. कॉलेज, मोतिहारी तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान के विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक आणविक तकनीकों जैसे आरएनए एवं प्रोटीन आइसोलेशन, वेस्टर्न ब्लॉटिंग, पीसीआर तथा विभिन्न बायोकेमिकल परीक्षणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत के साथ किया गया, जिसमें जीवन विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रणवीर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. शहाना मजूमदार तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन उपस्थित रहे। समापन सत्र चाणक्य परिसर स्थित राजकुमार शुक्ल सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। प्रो. शहाना मजूमदार ने अपने उद्बोधन में इन तकनीकों की शोध एवं नैदानिक प्रयोगशालाओं में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कुछ प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. प्रणवीर सिंह ने कार्यशाला की परिकल्पना एवं प्रारंभिक योजना पर चर्चा करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण जीवन विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने भविष्य में और अधिक उन्नत तकनीकों के साथ ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का समन्वयन प्राणी विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अर्तत्राण पाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. बृजेश पांडेय, डॉ. दुर्गेश्वर सिंह, डॉ. पवन कुमार, डॉ. अमिताभ ज्ञान रंजन, डॉ. अभिजीत कुमार, डॉ. अमित रंजन, डॉ. कुंदन किशोर रजक एवं डॉ. श्याम बाबू प्रसाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हुस्ना रेयाज़ एवं अमृता कुमारी ने किया, जबकि अंत में संयोजक डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा को लेकर 17 अप्रैल को उच्च स्तरीय बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 17 अप्रैल, शुक्रवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विशेष रूप से बीपीएल परिवारों एवं घरेलू उपभोक्ताओं को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने पर जोर दिया जाएगा। विद्युत विभाग और बैंकिंग सेक्टर के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू) के प्रमुखों को बैठक में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया है। इस बैठक के दौरान योजना से संबंधित सभी लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की गहन समीक्षा की जाएगी तथा उनके त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इस योजना से जोड़ा जा सके।इसके अतिरिक्त, लोन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा। ग्रामीण स्तर तक योजना की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए भी आवश्यक रणनीति पर विचार किया जाएगा।

हरसिद्धि प्रखंड परिसर में रोजगार मेला का आयोजन, 42 अभ्यर्थियों का चयन

बीएनएम @ मोतिहारी/ हरसिद्धि

मोतिहारी/ हरसिद्धि। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बुधवार का दिन नई उम्मीद लेकर आया। प्रखंड परिसर में एसआईएस लिमिटेड द्वारा रोजगार सृजन को लेकर जॉब कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के नियोजन पदाधिकारी की देखरेख में कुल 42 युवाओं का चयन किया गया। चयन के बाद युवाओं में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न पदों के लिए युवाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया। इसमें एसजी के 26, एसएलसी के 06, एसएस के 03, एसआईटी के 05 तथा जीटीओ के 02 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। सभी चयनित युवाओं का दस्तावेज सत्यापन और प्रारंभिक प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। इस मौके पर कंपनी के इंस्पेक्टर राहुल कुमार तिवारी ने बताया कि एसआईएस लिमिटेड सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में एशिया की अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में शामिल है। उन्होंने कहा कि रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में कंपनी देश में चौथे स्थान पर है, जो युवाओं के लिए बड़ा अवसर प्रदान करती है। उन्होंने आगे बताया कि वर्तमान में कंपनी में चार लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी कार्यरत हैं और कंपनी का वार्षिक कारोबार 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। यह कंपनी की मजबूत आर्थिक स्थिति और विश्वसनीयता को दर्शाता है। जॉब कैंप के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय युवकों ने भाग लिया और रोजगार पाने के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। चयनित अभ्यर्थियों में जहां खुशी का माहौल रहा, वहीं अन्य युवाओं को भी भविष्य में ऐसे अवसरों के लिए प्रेरित किया गया। स्थानीय लोगों ने इस तरह के रोजगार कैंप को क्षेत्र के लिए बेहद लाभकारी बताते हुए प्रशासन और कंपनी के प्रयासों की सराहना की है।

मैट्रिक-इंटर 2026 के टॉपर्स का जिला प्रशासन ने किया सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में जिला और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण द्वारा महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में आयोजित भव्य समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में टॉप 10 रैंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मान दिया गया। मैट्रिक परीक्षा में पूरे बिहार में 8वां रैंक और जिले में संयुक्त रूप से पहला स्थान प्राप्त करने वाले छोटू कुमार और दिलखुश कुमार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दोनों छात्रों को 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। इसी तरह राज्य में 9वां रैंक और जिले में दूसरा स्थान पाने वाली शिल्पी कुमारी तथा प्रिंस कुमार को भी सम्मानित किया गया। दोनों को 96.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। वहीं राज्य में 10वां रैंक और जिले में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले अजीत कुमार सहित मैट्रिक में जिला टॉप 10 रैंक में शामिल सभी 26 छात्रों को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी और उप महापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने सम्मानित किया। सभी छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों को भी सम्मान दिया गया। इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में कला संकाय के 16, विज्ञान के 14 और वाणिज्य के 15 टॉप रैंकर्स को भी जिला प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उनके अभिभावकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रेक्षा गृह छात्र-छात्राओं और अभिभावकों से खचाखच भरा रहा। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि पूर्वी चंपारण के छात्रों ने पूरे राज्य में परचम लहराकर जिले का मान बढ़ाया है। उन्होंने छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। समारोह में जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि थाना की दारोगा अंजलि कुमारी निलंबित, रिश्वत और लापरवाही के आरोप में एसपी की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। हरसिद्धि थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर अंजलि कुमारी को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कार्य में लापरवाही और पीड़ित परिवार से रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया है। निलंबन के साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। बताया गया है कि अगवा युवती की बरामदगी के बाद उसे नियमानुसार बालिका गृह भेजने के बजाय चार दिनों तक थाना में ही रखा गया। इसके अलावा पीड़ित परिवार से पैसे लेने, कांड के अनुसंधान में लापरवाही बरतने और कोर्ट में पीड़िता का बयान कराने में देरी करने जैसे गंभीर आरोपों को आधार बनाकर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट कहा कि लापरवाही और भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और इसे अनुशासन को लेकर सख्त संदेश माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है, जिसमें अन्य पहलुओं की भी समीक्षा की जाएगी। यदि आरोप सही पाए गए तो आगे और कड़ी कार्रवाई संभव है।

कोर्ट के आदेश पर फरार आरोपियों के घर चस्पा हुआ इश्तहार, आत्मसमर्पण नहीं किया तो होगी कुर्की-जप्ती

बीएनएम @ मोतिहारी/ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को बैरियाडीह पंचायत के बाभन धवई गांव में आरोपियों के घर कुर्की-जप्ती पूर्व इश्तहार चस्पा किया गया। यह कार्रवाई हरसिद्धि थाना कांड संख्या 774/25 के तहत की गई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले में आरोपी जालिम सहनी, विनोद सहनी, रितेश सहनी और जितेश सहनी लंबे समय से फरार चल रहे हैं। न्यायालय के निर्देश पर अपर थानाध्यक्ष राजेश सिंह के नेतृत्व में सशस्त्र बल के साथ पुलिस टीम आरोपियों के घर पहुंची और विधिवत इश्तहार चस्पा किया। पुलिस ने इश्तहार के माध्यम से स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर आरोपी थाना या न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कुर्की-जप्ती सहित अन्य कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद गांव में हड़कंप मच गया है। इश्तहार चस्पा होने के बाद आरोपियों के परिजनों में दहशत का माहौल देखा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि कानून से बचने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़, 4 महिलाएं व एक बालिका मुक्त, 2 ग्राहक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के रक्सौल थाना क्षेत्र में चल रहे देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने नगर परिषद के पीछे कोइरिया टोला स्थित एक मकान में छापेमारी कर 04 महिलाओं और 01 विधि-विरुद्ध बालिका को मुक्त कराया, जबकि मौके से 02 ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 14 अप्रैल 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि कोइरिया टोला स्थित मनीष झा के मकान में अवैध देह व्यापार का धंधा चल रहा है। सूचना के आधार पर रक्सौल थानाध्यक्ष के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 05 पीड़ितों (04 महिला और 01 बालिका) को मुक्त कराया। साथ ही राजीव रंजन (मुजफ्फरपुर) और सतीश कुमार (मुरैना, मध्य प्रदेश) को ग्राहक के रूप में गिरफ्तार किया गया। मामले में रक्सौल थाना कांड संख्या 186/26 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मौके से 03 कंडोम, एक सिगरेट पैकेट, दो पैकेट शक्ति वर्धक दवा, 30 पीस टैबलेट और 06 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। इस छापेमारी दल का नेतृत्व परिक्ष्यमान सहायक पुलिस अधीक्षक सह थानाध्यक्ष हेमंत सिंह ने किया। टीम में पु०अ०नि० शम्भू साह, रवि कुमार, अनिता कुमारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जनता दरबार में बुजुर्ग की फरियाद पर बेतिया पुलिस का त्वरित एक्शन, 2.75 लाख रुपये वापस

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक के जनता दरबार में पहुंचे एक बुजुर्ग की फरियाद पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 लाख 75 हजार रुपये वापस दिलाकर संवेदनशील पुलिसिंग की मिसाल पेश की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 11 अप्रैल 2026 को बिंदा प्रसाद (उम्र करीब 70 वर्ष), निवासी सोनखर थाना रामनगर, बगहा ने जनता दरबार में लिखित आवेदन देकर शिकायत की थी कि वह अपनी पुत्री के यहां कमलनाथ नगर इलाज कराने आए थे। इसी दौरान उनकी पुत्री और दामाद ने बहला-फुसलाकर डाकघर में जमा उनकी पूरी राशि निकाल ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर थानाध्यक्ष को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। एसपी के निर्देश पर नगर थाना पुलिस ने त्वरित पहल करते हुए बुजुर्ग की पुत्री और दामाद से 2.75 लाख रुपये वापस करवाए। पुलिस की इस तत्परता के बाद बुजुर्ग ने राहत की सांस ली और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार जताया। इस कार्रवाई को जनता दरबार की प्रभावशीलता और पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली का उदाहरण माना जा रहा है।

उचके ने फ्राड कर बैंक खाता से उड़ाये 93 हजार रुपए, बेटी की है शादी

बीएनएम @ तुरकौलिया। मोबाइल से फ्राड कर बैंक खाता से से 92993 रूपए का अवैध निकासी करने का मामला सामने आया है। तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के कवलपुर कांही टोला के पिड़ित सुरेंद्र सहनी ने इस मामले को लेकर थाना में और आनलाइन साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। जहां उसने बताया है कि जब वह गत बुधवार को एसबीआई शाखा में पैसे निकासी करने गया था तो खाता में पैसा नही था। जबकि वह कही भी ओटीपी सांझा नही किया है। जब तुरंत बैंक स्टेटमेंट निकलवाया तो मालूम चला कि उसी के गांव के मनोज सहनी के पुत्र अनील कुमार ने मोबाइल से फ्राड करके पैसे की निकासी कर लिया है। पिड़ित सुरेंद्र ने बताया कि बेटी की शादी है, उसी के लिए पैसे जमा किया था। अभी तक पुलिस जांच-पड़ताल करने नही आई है।

शराब के साथ कारोबारी धराया

बीएनएम @ तुरकौलिया। शंकरसरैया उत्तरी पंचायत के कसबा टोला के रंजन कुमार को अंग्रेजी शराब के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिला था कि रंजन घर में शराब रखकर चोरी-चुपके लोगों से बेचता है। सूचना के आधार पर छापेमारी कर शराब कारोबारी रंजन के घर से 41पीस ऑफिसर चॉइस अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। साथ ही कारोबारी रंजन को भी गिरफ्तार किया गया। जहरीली शराब कांड के बाद से इलाके में पुलिस लगातार अलग-अलग ठिकानों पर शराब के विरुद्ध छापेमारी कर रही है।

पोषण पखवाड़ा 2026 के तहत बंजरिया के आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के बंजरिया प्रखंड में 'पोषण पखवाड़ा 2026' के तहत बुधवार को आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का नेतृत्व उप समाहर्ता-सह जिला प्रोग्राम पदाधिकारी निधि कुमारी ने किया। इस दौरान बच्चों की उपस्थिति, पोषाहार वितरण और वृद्धि निगरानी की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर गोद भराई, अन्नप्राशन, मातृ परामर्श और 'प्रथम 1000 दिन' से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम संचालित पाए गए। अधिकारियों ने इन गतिविधियों की गुणवत्ता और लाभार्थियों की भागीदारी का भी जायजा लिया। निधि कुमारी ने कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही सभी गतिविधियों को पोषण ट्रैकर और जन आंदोलन डैशबोर्ड पर नियमित रूप से अपलोड करने को कहा, ताकि निगरानी और मूल्यांकन प्रभावी ढंग से हो सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि लक्षित समूहों तक पोषण सेवाओं की 100 प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। इसके लिए आंगनबाड़ी सेविकाओं और संबंधित कर्मियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण पखवाड़ा के तहत चल रहे इस अभियान को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर मोतिहारी में जश्न, पटाखे फोड़कर व मिठाइयाँ बाँटकर जताई खुशी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता एवं प्रसिद्ध उद्योगपति यमुना सिकरिया के नेतृत्व में मोदी मेमेंटो संग्रहालय परिसर में बुधवार को सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के अवसर पर भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने पटाखे फोड़े और मिठाइयाँ बाँटकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र एवं युवा नेता उपस्थित रहे और सभी ने यमुना सिकरिया के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक क्षण का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम का माहौल उत्सवमय रहा और उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। वहीं भाजपा नेता यमुना सिकरिया ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार एनडीए सरकार में भाजपा के सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार पूर्ववर्ती नीतीश सरकार के विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए राज्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बिहार को अपराध मुक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले समय में बिहार देश के अग्रणी एवं विकसित राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा।

सेंट्रल बैंक को मिला दूरदर्शी नेतृत्वः रिजनल हेड विवेक पांडेय के आगमन से क्षेत्रीय बैंकिंग को मिलेगा नई ऊर्जा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नवनियुक्त क्षेत्रीय प्रमुख विवेक पांडेय ने बुधवार को मोतिहारी स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में औपचारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। उनके आगमन से न केवल बैंकिंग सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की उम्मीद जगी है, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर वित्तीय समावेशन को भी नई दिशा मिलने की संभावना प्रबल हुई है। इससे पूर्व श्री पांडेय झारखंड के धनबाद क्षेत्रीय कार्यालय में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दे चुके हैं, जहां उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व और प्रभावी कार्यशैली से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। एक अनुभवी और दूरदर्शी बैंकिंग प्रोफेशनल के रूप में उनकी पहचान स्थापित है। रिटेल बैंकिंग, क्रेडिट मैनेजमेंट, जोखिम मूल्यांकन तथा ग्राहक सेवा उत्कृष्टता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनकी गहरी पकड़ है। नये क्षेत्रीय प्रमुख विवेक पांडेय के नेतृत्व में मोतिहारी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा, लोन पोर्टफोलियो का विस्तार और एनपीए प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। श्री पांडेय ने कार्यभार संभालने के बाद शाखा प्रबंधकों एवं अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बैंक का उद्देश्य ग्राहकों को पारदर्शी, त्वरित और विश्वसनीय बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वित्तीय समावेशन योजनाओं को ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में बैंक की निरंतर प्रगति और नई ऊंचाइयों को छूने का विश्वास व्यक्त किया।

महिला आत्मनिर्भरता की मिसाल बना सरोकार मंच, 30 दिवसीय प्रशिक्षण से 50 महिलाओं को मिला हुनर

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरोकार मंच की पहल एक मिसाल बनती जा रही है। मंच द्वारा आयोजित 30 दिवसीय निःशुल्क सिलाई-कटाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गायत्री मंदिर परिसर में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सौरभनाथ ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि वीणा गोयल, शिखा रंजन, ध्रुव नारायण श्रीवास्तव तथा मंच अध्यक्ष सौरभनाथ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि वीणा गोयल ने कहा कि सरोकार मंच पिछले पांच वर्षों से लगातार महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। मंच समय-समय पर मेहंदी, ब्यूटी पार्लर और सिलाई-कटाई जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर दे रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक सैकड़ों महिलाएं इस पहल से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और आगे भी उनका संस्थान इस तरह के कार्यक्रमों में सहयोग करता रहेगा। शिखा रंजन ने कहा कि स्किल डेवलपमेंट से जुड़े ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस पहल के लिए सरोकार मंच की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। एक माह चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में करीब 50 महिलाओं को सिलाई-कटाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अब ये महिलाएं स्वयं का सिलाई केंद्र खोलकर जीविकोपार्जन कर सकेंगी, जिससे उनके आर्थिक सशक्तिकरण को नई मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर ध्रुव नारायण श्रीवास्तव, अवधेश प्रसाद सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच अध्यक्ष सौरभनाथ ने संस्था द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों और स्किल डेवलपमेंट गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। प्रशिक्षिका सीता देवी ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। समापन अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण पत्र तथा प्रशिक्षिका को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मोतिहारी में पहली बार डीआरडीओ की भव्य प्रदर्शनी शुरू, युवाओं को विज्ञान और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की पहल

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। 15 से 18 अप्रैल 2026 तक चलने वाली चार दिवसीय डीआरडीओ प्रदर्शनी का उद्घाटन बुधवार को डीआरडीओ के संसाधन एवं प्रबंधन महानिदेशक डॉ. रविंद्र सिंह ने किया। बिहार में पहली बार आयोजित इस भव्य प्रदर्शनी को लेकर छात्रों, शिक्षाविदों और आम जनता में खासा उत्साह देखा जा रहा है। उद्घाटन समारोह में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार सहित कई अधिकारी और शिक्षाविद मौजूद रहे। डीआरडीओ से संसद, राजभाषा एवं जनसंपर्क निदेशालय तथा नागरिक निर्माण एवं संपदा निदेशालय के निदेशक भी समारोह में शामिल हुए। सांसद राधा मोहन सिंह ने अपने वीडियो संदेश में बिहार में पहली बार इतनी भव्य प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए डीआरडीओ की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी खासकर युवाओं और छात्रों के लिए प्रेरणादायक है तथा स्वदेशी रक्षा तकनीकों को करीब से देखने का दुर्लभ अवसर प्रदान करती है। डॉ. रविंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों, युवाओं और आम जनता को प्रेरित करना है, ताकि युवा पीढ़ी डीआरडीओ में करियर बनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि यहां प्रदर्शित तकनीकें भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं। प्रदर्शनी की थीम "शांति, सत्य और विज्ञान का संगम – सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत की ओर" रखी गई है। इसमें डीआरडीओ की 22 प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों को प्रदर्शित किया जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों और आम नागरिकों के पहुंचने की उम्मीद है। इसे विज्ञान, नवाचार और राष्ट्र सुरक्षा के प्रति युवाओं को प्रेरित करने की बड़ी पहल माना जा रहा है।

बीरगंज में ट्रैफिक पुलिस का सख्त अभियान, भारतीय नंबर प्लेट वाले 11 वाहनों पर कार्रवाई

बीएनएम @ रक्सौल / बीरगंज

रक्सौल / बीरगंज। बीरगंज में ट्रैफिक पुलिस ने भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाते हुए 11 वाहनों पर कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को चिन्हित कर कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिन वाहनों के पास वैध कागजात नहीं थे, आवश्यक अनुमति उपलब्ध नहीं थी या निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं किया गया, उन पर यह कार्रवाई की गई। सीमा क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने यह विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बीरगंज में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित और नियमबद्ध बनाए रखने के लिए इस तरह की जांच आगे भी लगातार जारी रहेगी। खासकर सीमा पार आने-जाने वाले भारतीय नंबर प्लेट वाहनों की दस्तावेज जांच को प्राथमिकता दी जा रही है।

रक्सौल एसडीओ मनीष कुमार का स्कूलों पर सख्त फोकस, भेलाही के कई विद्यालयों का औचक निरीक्षण

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और पढ़ाई की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने भेलाही पंचायत स्थित विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई पूर्वी चंपारण जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में की गई। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन की गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन (एमडीएम) के संचालन, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई तथा स्मार्ट क्लास के संचालन का गहन जायजा लिया। उन्होंने कक्षाओं में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों को भी देखा और छात्रों से पढ़ाई से जुड़े सवाल पूछकर उनकी शैक्षणिक स्थिति का आकलन किया। औचक निरीक्षण के दौरान मनीष कुमार ने संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाने के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई और सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करना शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसडीओ के इस निरीक्षण से विद्यालयों में हड़कंप का माहौल देखा गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इससे ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था और बेहतर होगी।

पाकिस्तान लिंक वाले साइबर फ्रॉड नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से बैंक पासबुक, एटीएम/पीटीएम मशीन, लैपटॉप, मोबाइल और मोटरसाइकिल समेत कई अहम सामान बरामद किए हैं। जिले में साइबर अपराध के खिलाफ इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस को 13 अप्रैल 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि अंकित कुमार पाकिस्तान एवं अन्य देशों में सक्रिय साइबर अपराधियों के साथ मिलकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कल्याणपुर क्षेत्र में पीटीएम के पास छापेमारी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बड़े साइबर नेटवर्क का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि गिरोह सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन जारी कर लोगों को "डिजिटल अरेस्ट" जैसे हथकंडों से डराता था और उनसे पैसे ठगता था। ठगी की रकम सीडीएम के माध्यम से विदेशी नेटवर्क तक ट्रांसफर की जाती थी, जिसके बदले स्थानीय सदस्यों को करीब 10 प्रतिशत कमीशन मिलता था। अंकित कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने गिरोह के अन्य तीन सहयोगियों युवराज कुमार, मो० साहिल और चुन्नु कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 7 बैंक पासबुक, 10 पीटीएम/एटीएम मशीन, एक ब्लैंक चेकबुक, एक लैपटॉप, 5 मोबाइल और 3 मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चकिया संतोष कुमार, साइबर थाना के पुलिस उपाधीक्षक अभिनव पराशर, पु०नि० खालिद अख्तर, थानाध्यक्ष विनीत कुमार सहित पुलिस टीम शामिल रही।

आत्म-निरीक्षण का विषय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय मसलों में आज भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं बची है? फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्यों अलग-थलग नजर आया?

जब ये साफ हो गया कि प्रधानमंत्री भाग नहीं लेंगे, तो ईरान युद्ध पर बुलाई गई सर्वदलीय महज रस्म-अदायगी भर रह गई। ऐसी बैठकों की तभी अहमियत होती है, जब उनका मकसद उत्पन्न परिस्थिति पर पूरी पारदर्शिता बरतते हुए सभी पक्षों के बीच आम-सहमति बनाना होता है। ऐसा तभी हो सकता है, जब देश के शीर्ष नेता बैठक में उपस्थित रहें। और सिर्फ तभी किसी संकट काल में पूरा देश एक स्वर में बोल सकता है। बहरहाल, नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में ऐसी राष्ट्रीय एकजुटता दुर्लभ होती चली गई है। नतीजतन, सर्वदलीय बैठकें सियासी नैरेटिव को प्रचारित करने का एक और मौका बन जाती हैं।

यही हाल पश्चिम एशिया में युद्ध पर बुलाई गई बैठक का हुआ। विपक्ष ने उसे अपने इस कथानक को बल देने का अवसर बनाया कि मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलताओं ने भारतीय आवाम को गहरी मुसीबत में डाल दिया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत अप्रासंगिक होता जा रहा है। इसी सिलसिले में पाकिस्तान के मध्यस्थ बन कर उभरने की चर्चा हुई। तो उस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हैरतअंगेज टिप्पणी की। उन्होने कहा कि भारत पाकिस्तान की तरह दलाली नहीं कर सकता! अमेरिका ने पाकिस्तान को क्यों मध्यस्थ बनाया और ये भूमिका स्वीकार कर पाकिस्तान ने क्या जोखिम मोल लिए हैं, ये दीगर सवाल हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को दलाली बताना अपनी विदेश नीति की घोर विफलता से पैदा हुए असंतोष का ही इज़हार समझा जाएगा। वरना, कोरिया युद्ध, कॉन्गो युद्ध, श्रीलंका के गृह युद्ध आदि में मध्यस्थता का भारत के बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। यहां तक कि यूक्रेन युद्ध में प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद और कूटनीतिक समाधान के संदेश दोनों पक्षों को दिए। अतः जयशंकर के लिए यह आत्म-निरीक्षण का विषय होना चाहिए कि आज अंतरराष्ट्रीय मसलों में भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं है? बात यहीं तक नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह अलग-थलग नजर आया, वह हालिया तजुर्बा है। इन सवालों पर गौर करने के बजाय दलाल ना होने का झूठा फ़ख्र किसी काम का नहीं है। उससे भारतीय जनमत के सिर्फ एक हिस्से को ही बहलाया जा सकता है।

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है।पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे।

पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

बिहार में भाजपा का युगः एक नया राजनीतिक अध्याय

सौरभ वार्ष्णेय

राजनीति भी ऐसा मौसम है पता नहीं कब क्या कुछ हो जाये ? ऐसे ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुछ नहीं कहा जा सकता कब उनका फैसला बदल जाये। वैसे भी बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय दलों और गठबंधन की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का उभार राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत दे रहा है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, विकास के एजेंडे और नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन का द्योतक है। ऐसे में बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना जाना और बिहार के वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी का विस्तार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह एक लंबी रणनीतिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और केंद्र की नीतियों का प्रभाव शामिल है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं—जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना—ने राज्य के ग्रामीण और गरीब वर्गों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाई है। इससे पार्टी को एक मजबूत जनाधार बनाने में मदद मिली है। हालांकि, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता और राष्ट्रीय जनता दल जैसे प्रभावशाली दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में भाजपा का यह उभार एक प्रतिस्पर्धात्मक राजनीतिक वातावरण तैयार करता है, जहां सत्ता की लड़ाई और अधिक दिलचस्प और जटिल हो गई है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने विकास के वादों को जमीन पर उतारे। बिहार आज भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को इन क्षेत्रों में ठोस सुधार करना होगा। यह उसके लिए एक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने का अवसर हो सकता है। इसके अलावा, सामाजिक समरसता और जातीय संतुलन बनाए रखना भी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। बिहार की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है, जहां छोटी-सी राजनीतिक चूक भी बड़े सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। बिहार में भाजपा का उभरता हुआ युग एक परिवर्तनशील दौर का प्रतीक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राज्य को विकास और स्थिरता की ओर ले जाता है या फिर यह केवल सत्ता के नए समीकरणों तक ही सीमित रह जाता है। आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करेगा।

बिहार में सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना

ऐसे में भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना है तो यह तय है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते ही केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश और रणनीतिक बदलाव का संकेत होगा। सबसे पहले, यह कदम भारतीय जनता पार्टी के उस प्रयास के रूप में देखा जाएगा, जिसमें वह बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करना चाहती है। लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन की राजनीति करने के बाद, भाजपा अब अपने चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतार दिया है। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भी इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाता है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनना सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए समीकरण साध सकता है और भाजपा को उन वर्गों में और गहराई तक पहुंचाने में मदद कर सकता है, जहां अब तक अन्य दलों का प्रभाव रहा है। हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं होगा। बिहार जैसे राज्य में प्रशासनिक अनुभव, गठबंधन संतुलन और जमीनी पकड़ बेहद महत्वपूर्ण होती है। लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं की मजबूत राजनीतिक पकड़ के बीच सम्राट चौधरी को अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके अलावा, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बदलाव के जरिए युवाओं और नए मतदाताओं को आकर्षित कर पाती है या नहीं। क्योंकि आज की राजनीति में केवल जातीय समीकरण ही नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और सुशासन भी उतने ही अहम मुद्दे बन चुके हैं। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विश्वास और प्रदर्शन की एक बड़ी परीक्षा होगी।

अगर हम सम्राट चौधरी के राजनीतिक करियर की बात करे तो बिहार की समकालीन राजनीति में तेजी से उभरते नेतृत्व का उदाहरण माना जाता है। उनका सफर छात्र राजनीति से लेकर राज्य की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने का रहा है।

सम्राट चौधरी का जन्म बिहार के एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता शकुनी चौधरी भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की और धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। सम्राट चौधरी ने अपने करियर में कई राजनीतिक दलों के साथ काम किया। सम्राट चौधरी बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं और संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। बीजेपी में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले, जिससे उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी के रणनीतिक निर्णयों के चलते सम्राट चौधरी को बिहार की राजनीति में प्रमुख चेहरा बनाया गया। मुख्यमंत्री बने तो यह उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और सामाजिक समीकरणों को साधने की क्षमता का परिणाम माना जाएगा।

उनकी राजनीतिक विशेषताएं। ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। आक्रामक और स्पष्ट वक्ता सहित संगठन और जनाधार दोनों पर पकड़ रखते हैं।

सम्राट चौधरी का करियर यह दिखाता है कि बिहार की राजनीति में लगातार सक्रियता, रणनीति और समय के अनुसार निर्णय लेना कितना महत्वपूर्ण है। वे आज राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। 2026 के अनुसार भाजपा के १६ वें राज्य के मुख्यमंत्री होंगे सम्राट चौधरी ।

नीतीश कुमार युग का अंत

नीतीश कुमार का नाम बिहार की राजनीति में एक लंबे समय तक स्थिरता, सुशासन और सामाजिक संतुलन के प्रतीक के रूप में लिया जाता रहा है। लगभग दो दशकों तक विभिन्न चरणों में सत्ता संभालने वाले नीतीश कुमार ने राज्य की राजनीति को नई दिशा दी। लेकिन अब बदलते राजनीतिक समीकरण और नेतृत्व की नई मांगों के बीच उनके युग के अंत की चर्चा तेज हो रही है। नीतीश कुमार का उदय ऐसे समय में हुआ जब बिहार राजनीतिक अस्थिरता और पिछड़ेपन की छवि से जूझ रहा था। उन्होंने सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। सुशासन बाबू के रूप में उनकी पहचान बनी, जो प्रशासनिक दक्षता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। हालांकि, समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों में बार-बार बदलाव—कभी के साथ गठबंधन, तो कभी किसी के साथ—ने उनकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। गठबंधनों की इस राजनीति ने उन्हें सत्ता में बनाए रखा, लेकिन जनता के एक वर्ग में असमंजस और असंतोष भी पैदा किया। आज बिहार की राजनीति में युवा नेतृत्व, नई सोच और स्पष्ट वैचारिक दिशा की मांग बढ़ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार का नेतृत्व पहले जैसा प्रभावशाली नहीं दिखता। उनकी उम्र, बदलते राजनीतिक हालात और लगातार बदलते समीकरण इस बात का संकेत देते हैं कि राज्य अब एक नए नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। यह भी सच है कि किसी भी नेता का राजनीतिक जीवन स्थायी नहीं होता। हर युग का एक अंत होता है और एक नई शुरुआत भी। नीतीश कुमार के योगदान को नकारा नहीं जा सकता—उन्होंने बिहार को एक मजबूत आधार दिया, जिस पर आगे का विकास संभव है। नीतीश युग का अंत केवल एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। आने वाला समय यह तय करेगा कि यह परिवर्तन राज्य के लिए कितना सकारात्मक साबित होता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपने कामों को बहुत सावधानी और कुशलता से करेंगे। संतान की ओर से चिंता दूर होगी। आज की गई मेहनत का निकट भविष्य में बेहतरीन परिणाम मिलने वाले हैं। आपका काम समय से पूरा ना होने के कारण आपको थोड़ी समस्या होगी। आज अपनी कार्य योजनाओं में नए बदलाव करने की सोचेंगे। कारोबार में शुभ समाचार मिलेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन खास रहेगा। सोचे हुए सभी काम पूरे हो जायेंगे। बिजनेस में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। विवाहितों के लिए भी आज का दिन बढ़िया है। कार्यक्षेत्र में आप स्वयं को उर्जावान महसूस करेंगे। शिक्षा से जुड़ी आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। साथ ही मेडिकल या कॉम्पिटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को जल्द ही अपनी मेहनत का फल मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। किसी तरह की नई प्लानिंग को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से भी आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। दफ्तर में उलझा हुआ मामला सुलझ सकता है। ऑफिस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है।

कर्क राशिः आज किसी काम के लिए आपके मन में नया विचार आएगा। ऑफिस में कार्यभार अधिक होने के कारण आज आप व्यस्त रहेंगे। संतान की नौकरी से संबंधित किसी समस्या को लेकर आप भागदौड़ में लगे रहेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको गिले-शिकवे दूर करने का मौका मिलेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है। बिजनेस में नई परियोजनाओं को लागू करने से आपको फायदा हो सकता है। ऑफिस में किसी ऑफिस के काम को जल्दबाजी में करने से आपको बचना चाहिए और सहकर्मी के साथ बहस करने से आपको बचना चाहिए।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कामकाज के मामले में परिस्थिति अच्छी रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्तों की मजबूती बरकरार रहेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे आप पर गर्व महसूस करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। किस से भी बात करते समय अपना स्वभाव विनम्र रखेंगे , इससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। इस राशि के बिल्डर्स को किसी नये प्रोजेक्ट से लाभ हो सकता है। आप थोड़े सोच-विचार में रह सकते हैं और थकान को खुद पर हावी नहीं होने दें। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए कार्यों को समय पर पूरा कर लेना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। कठोर परिश्रम से अवश्य ही आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे सकते हैं। किसी जरुरी काम में आपको सफलता मिल सकती है। आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए जो भी काम करना चाहते है उसमें आपको लाभ की प्राप्ति हो होगी।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपका बढ़ा हुआ मनोबल आपको किसी जरूरी काम में सफलता दिलायेगा। माता-पिता के सहयोग से कारोबार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे तो आपको समस्या होगी लेकिन आप समय रहते इस को संभाल लेंगे। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में यदि गिरावट चल रही थी, तो वह भी आज दूर होगी।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बात शेयर करने से बचना चाहिए। यदि आज आप कुछ सामाजिक मामलों में हाथ बढ़ाएंगे, तो आपका मान-सम्मान और रुतबा बढ़ेगा। इस राशि के छात्रों को बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। पढ़ाई के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

कुंभ राशिः आज का आपके लिए दिन फेवरेबल रहेगा। साथ ही कारोबार में आपको अच्छा धन लाभ होगा। आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपको काफी फायदा दिलायेगा। आपकी क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बेहतर होगी। आपके रिश्तेदार आपका पूरा सहयोग करेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। आज आप माता की पसंद की चीज गिफ्ट करेंगे आपके माता जी को भी खुशी होगी। आपको किसी संपत्ति की खरीदारी करते समय उसके जरूरी कागजातों पर ध्यान अवश्य देना होगा। परिवार में किसी विशेष कार्य को लेकर आपसी वार्तालाप होगा।

संपन्न दुनिया, असंतुष्ट मानवता-फिर गांधी का समय”

भूपेन्द्र गुप्ता

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो एक कठोर सच्चाई हमें झकझोरती है—यह दुनिया जितनी समृद्ध कभी नहीं रही, उतनी ही असमान और असंतुष्ट भी कभी नहीं रही। विज्ञान ने चमत्कार किए हैं, तकनीक ने सीमाएँ तोड़ी हैं, और उत्पादन ने रिकॉर्ड बनाए हैं। फिर भी, भूख है, भय है, युद्ध है और भीतर एक गहरा असंतोष है। सवाल उठता है—आख़िर क्यों? संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया में इतना खाद्यान्न उत्पादन होता है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। फिर भी, करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन जी रहे हैं। यह विरोधाभास हमें एक ही निष्कर्ष तक ले जाता है—समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान वितरण और हमारी सोच की विकृति है। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का दर्शन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। गांधी जी ने स्पष्ट कहा था—“पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं।” यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि आज के वैश्विक संकट का सटीक विश्लेषण है। आज का मानव “आवश्यकता” से नहीं, बल्कि “अतृप्त इच्छाओं” से संचालित हो रहा है। राष्ट्र अपनी सीमाओं की सुरक्षा से आगे बढ़कर संसाधनों पर नियंत्रण की होड़ में लगे हैं। ऊर्जा, जल और खनिज—ये अब जीवन के साधन नहीं, बल्कि शक्ति के प्रतीक बन गए हैं। हाल के वैश्विक संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसाधनों पर वर्चस्व की यह लड़ाई कितनी विनाशकारी हो सकती है। हमारी आर्थिक व्यवस्था भी इस असंतुलन

को गहरा करती है। जब विकास का केंद्र “मुनाफा” बन जाता है और “मानव” पीछे छूट जाता है, तब समृद्धि कुछ हाथों में सिमट जाती है। बड़ी कंपनियाँ और शक्तिशाली वर्ग संसाधनों पर अधिकार जमा लेते हैं, जबकि आम जन संघर्ष करता रह जाता है। यह केवल आर्थिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। गांधी जी का “अपरिग्रह” हमें इसी संकट से बाहर निकलने का मार्ग दिखाता है। अपरिग्रह का अर्थ है—संतुलित जीवन, सीमित उपभोग और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता। यदि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इस सिद्धांत को अपनाएँ, तो संसाधनों पर अनावश्यक दबाव कम हो सकता है और संतुलन स्थापित हो सकता है। इसके साथ ही, गांधी जी का “ट्रस्टीशिप” का सिद्धांत आज के कॉर्पोरेट और आर्थिक ढांचे के लिए एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा था कि जिनके पास अधिक संपत्ति है, वे उसके मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। यदि यह भावना विकसित हो जाए, तो संपत्ति का उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए किया जा सकता है। आज दुनिया को केवल नीतिगत सुधारों की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। हमें “मैं और मेरा” की सीमाओं को तोड़कर “हम और हमारा” की ओर बढ़ना होगा। जब तक हम स्वयं को एक वैश्विक परिवार का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक शांति और संतुलन की कल्पना अधूरी रहेगी। सरकारों को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जो शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यूनतम जीवन स्तर को हर व्यक्ति का अधिकार बनाएँ। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है—व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन। हमें अपने उपभोग, अपनी आवश्यकताओं और अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। क्या हमें वास्तव में उतना ही चाहिए जितना हम इकट्ठा कर रहे हैं? या हम अनजाने में किसी और के हिस्से को छीन रहे हैं? आज का समय हमें एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा करता है। एक ओर वह मार्ग है जो हमें और अधिक प्रतिस्पर्धा, असमानता और संघर्ष की ओर ले जाता है। दूसरी ओर वह मार्ग है जो संतुलन, सहयोग और शांति की ओर जाता है। यह चयन हमें करना है। यदि हम गांधी के विचारों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर उन्हें अपने जीवन और नीतियों में उतारें, तो एक नई दुनिया की शुरुआत हो सकती है—एक ऐसी दुनिया जहाँ संपन्नता का अर्थ केवल संग्रह नहीं, बल्कि साझा करना हो; जहाँ विकास का उद्देश्य केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलना हो।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि सच्ची प्रगति केवल तकनीकी उपलब्धियों से नहीं मापी जा सकती। सच्ची प्रगति वह है, जो हर व्यक्ति के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और संतोष लाए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7:30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

रोहित के नेट सत्र में नहीं उतरने से उनकी फिटनेस को लेकर प्रशसकों की चिन्ताएं बढ़ीं

एजेंसी, मुम्बई

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर चले गये थे। इसके बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर प्रशंसकों के साथ ही टीम मैनेजमेंट की भी चिंताएं बढ़ गई थीं। वहीं गत दिवस वह नेट अभ्यास के लिए नहीं उतरे जिससे पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 अप्रैल को होने वाले मैच में उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस मामले पर एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित की चोट गंभीर नहीं है और वह ज्यादा समय तक टीम से बाहर नहीं रहेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी हैमस्ट्रिंग के स्कैन में जिसमें किसी भी प्रकार के टियर (मांसपेशी फटने) के संकेत नहीं मिले, जो प्रशंकों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय था। वहीं अगर रोहित बाहर होते हैं तो ये मुंबई इंडियंस के लिए परेशानी का कारण हो सकता है। इस सत्र में उन्होंने शीर्ष क्रम में रयान रिकेल्टन के साथ एक अच्छी साझेदारी बनायी है और अगर ये जोड़ी टूटती है तो टीम को नुकसान हो सकता है। हालांकि टीम के पास क्विंटन डीकॉक जैसे अनुभवी बल्लेबाज विकल्प के तौर पर हैं पर उन्हें शामिल करने से विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में बदलाव करना पड़ेगा। इसके अलावा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों की खराब फॉर्म भी मुंबई के लिए एक बड़ी चिंता रही है, क्योंकि टीम जितनी मजबूत नजर आ रही है। मैदान पर उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। ऐसे मे प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि रोहित की चोट गंभीर न हो।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े।

धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं। मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी।

वैभव अपने खेल पर ही ध्यान दें: गावस्कर

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर उनको लेकर अपने खेल पर ही अधिक ध्यान देना होगा। वहीं गावस्कर ने कहा कि मीडिया भी उन्हें अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें। इससे किसी भी खिलाड़ी से अपेक्षाएं जरुरत से अधिक बढ़ जाती है। जिससे उसपर बेवजह का दबाव बन जाता है जो उसके करियर के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। गावस्कर ने कहा कि वैभव अभी 15 साल के हैं और उनके पास पर्याप्त समय है। जिस प्रकार से वह गेंद की लेंथ और लाइन को समझकर गेंदबाज पर आक्रामण करते हैं। वह काफी अच्छा है पर उन्हें अपने खेल पर ध्यान देते रहना होगा। गावस्कर ने कहा कि कि समय के साथ ही विरोधी टीमें और गेंदबाज उनके खेलने को समझ लेंगे और कमी निकालने का प्रयास करेंगे। उनके तकनीक की खामी को पता करेंगे और फिर मानसिक रवैये में कोई कमजोरी हो को भी ढूंढने में लग जाएंगे।गावस्कर ने कहा, "उनकी विरोधी टीम इस बात को भी देखना चाहेगी कि कोई ऐसी चीज ऐसी है जो बल्लेबाजी के दौरान उनकी एकाग्रता तोड़ सकती है।

रियान पराग पर भड़के श्रीकांत

एजेंसी, बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज कृष्णमाचारी श्रीकांत ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग के तरीके की आलोचना की है। श्रीकांत ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम को मिली हार के लिए रियान की रणनीति को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। मैच में रियान के फैसलों के साथ ही उनकी कमजोर बल्लेबाजी पर भी श्रीकांत ने सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय कप्तान के लिए रन बनाना और भी जरुरी होता है तभी अन्य खिलाड़ी भी प्रेरित होते हैं। पराग इस सत्र में अबत एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं और उनका अधिकतक स्कोर 20 रन ही रहा है।

श्रीकांत ने पराग पर जमकर निशाना साधा और कहा कि उन्हें टीम में बातें करने के लिए नहीं रखा गया है। हमेशा की तरह उन्होंने इस मैच में भी रन नहीं बनाये पर बाद में बड़ी-बड़ी बातें की। उसने रविन्द्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिनर को भी ओवर नहीं दिया ओर तर्क दिया कि उनके सामने बाएं हाथ का बल्लेबाज था। मुझे समझ नहीं आता कि बाएं हाथ के बल्लेबाज को बाएं हाथ का कोई गेंदबाज क्यों गेंदबाजी नहीं कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि टीम के गेंदबाजों का उपयोग ठीक से नहीं हुआ।

बिजनेस

ग्लोबल ऑयल मार्केट में गिरावट, डब्ल्यूटीआई क्रूड 86.96 डॉलर के स्तर तक लुढ़का

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद के कारण आज लगातार दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आया। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद ब्रेंट क्रूड और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड के भाव में और गिरावट आ गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड गिर कर 86.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक चला गया। हालांकि बाद में इसके भाव में तेजी का रुख बनता हुआ नजर आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिलहाल क्रूड ऑयल सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। ब्रेंट क्रूड ने आज कमजोरी दिखाते हुए 94.45 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग के दौरान ब्रेंट क्रूड फिसल कर 93.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही इसकी कीमत में तेजी आने लगी, जिससे ये उछल कर 95.78 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11 बजे ब्रेंट क्रूड 95.69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी आज कमजोर प्रदर्शन करते हुए 90.92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी ही देर में डब्ल्यूटीआई क्रूड गिर कर 86.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड के भाव में सुधार होने लगा, जिससे ये बढ़ कर 92.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 91.67 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ही ईरान के साथ जल्द ही दोबारा बातचीत शुरू होने की बात कही थी। ट्रंप के इस बयान के बाद पश्चिम एशिया में जारी तनाव के थमने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की सप्लाई एक बार फिर ठीक-ठाक शुरू हो जाने की उम्मीद बन गई। इसकी वजह से कच्चे तेल के भाव में पिछले दो दिन में के दौरान लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के करण ग्लोबल ऑयल मार्केट काफी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इसके पहले कभी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैसोलीन जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई इतनी बुरी तरह से प्रभावित नहीं हुई थी। सप्लाई में कमी होने के कारण दुनिया भर में फिजिकल क्रूड और गैसोलीन प्रोडक्ट्स की कीमत में तेजी आ गई है, जिसकी वजह से इन उत्पादों का आयात करने वाले देश की अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव बढ़ गया है।

पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में तेजी आने के कारण इंटरनल एनर्जी एजेंसी ने भी इस साल ऑयल कंजप्शन में गिरावट आने का अनुमान लगाया है। जानकारों का कहना है कि अगर कंजप्शन में कमी आई, तो इससे ग्लोबल ग्रोथ रेट पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। खासकर, अपनी जरूरत पूरा करने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों की जीडीपी ग्रोथ रेट भी प्रभावित हो सकती है।

देश की थोक महंगाई दर मार्च महीने में बढ़कर 3.88 फीसदी पर आई

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर भी लगातार पांचवें महीने बढ़कर 3.88 फीसदी पर पहुंच गई। फरवरी माह में यह 2.13 फीसदी और मार्च, 2025 में 2.25 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर ईंधन, बिजली एवं विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से मार्च महीने में बढ़कर 3.88 फीसदी पर पहुंची है। मंत्रालय ने कहा कि कच्चे तेल एवं नेचुरल गैस, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, 'बेसिक मेटल' विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से थोक महंगाई दर में इजाफा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक ईंधन एवं बिजली श्रेणी में महंगाई मार्च में बढ़कर 1.05 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 3.78 फीसदी की गिरावट (डिफ्लेशन) दर्ज की गई थी। डब्ल्यूपीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक कच्चे तेल की मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 51.57 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी महीने इसमें 1.29 फीसदी की गिरावट आई थी। विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर भी फरवरी के 2.92 फीसदी से बढ़कर मार्च में 3.39 फीसदी पर पहुंच गई। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर हालांकि, मार्च में घटकर 1.90 फीसदी रह गई है, जो फरवरी में 2.19 फीसदी थी। इसके अलावा सब्जियों की महंगाई दर घटकर 1.45 फीसदी हो गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 फीसदी थी। इससे पहले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 फीसदी हो गई थी, जो पिछले फरवरी महीने में 3.21 फीसदी थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अपनी पहली द्वैमासिक मौद्रिक नीति पेश करते हुए ब्याज दरों को यथावत रखा था। आरबीआई नीतिगत दरों के निर्धारण के लिए मुख्य रूप से खुदरा महंगाई को आधार मानता है।

होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी के बीच भारत को बड़ी राहत, एलपीजी टैंकर जग विक्रम कांडला पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट में जारी अमेरिका की नाकेबंदी के बीच भारतीय एलपीजी टैंकर जग विक्रम भारत पहुंचने में सफल रहा। 20,400 मेट्रिक टन एलपीजी लेकर यह टैंकर आज गुजरात के कांडला पोर्ट पहुंचा। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के लिए अस्थाई सीजफायर का ऐलान होने के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट पार करने वाला यह पहला भारतीय जहाज है। एलपीजी टैंकर जग विक्रम 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में सफल हुआ था। मार्च की शुरुआत के बाद से अभी तक होर्मुज के पश्चिमी हिस्से से होकर निकलने वाला यह भारत का नौवां जहाज है। पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने के पहले होर्मुज स्ट्रेट के आसपास 28 भारतीय जहाज मौजूद थे इनमें से 24 जहाज इसके पश्चिमी हिस्से में थे, जबकि चार जहाज पूर्वी हिस्से में फंसे हुए थे। ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह का अस्थाई सीजफायर शुरू होने के पहले होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिमी हिस्से से भारत के आठ जहाज सफलतापूर्वक निकल गए थे। इसी तरह पूर्वी हिस्से से भी दो भारतीय जहाज सुरक्षित निकालने में सफल रहे थे। अब एलपीजी टैंकर जग विक्रम भी होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में हिस्से से निकालकर सुरक्षित भारत पहुंच गया है। हालांकि अभी भी कई भारतीय जहाज होर्मुज स्ट्रेट के आसपास फंसे हुए हैं। इसी तरह बड़ी संख्या में विदेशी जहाज भी फारस की खाड़ी में अटके हुए हैं और होर्मुज स्ट्रेट के पहले की तरह खुलने का इंतजार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत पेट्रोलियम उत्पादों की अपनी जरूरतों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत क्रूड ऑयल अंतरराष्ट्रीय बाजार से आयात करता है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया के संकट को खत्म करने के लिए ईरान से दोबारा बातचीत शुरू करने का संकेत देने की वजह से दुनिया भर के बाजार की तरह घरेलू शेयर बाजार में भी आज उत्साह बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी।

हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। इसके बावजूद बाजार लगातार जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता रहा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.71 प्रतिशत और निफ्टी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, एचडीएफसी लाइफ, मैक्स हेल्थकेयर, लार्सन एंड टूब्रो और टीसीएस के शेयर 4.60 प्रतिशत से लेकर 3.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, ओएनजीसी, कोल इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 1.38 प्रतिशत से लेकर 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,829 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,639 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 190 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। 22 कैरेट सोना आज 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

महान योद्धा छत्रपति शिवाजी बन स्वराज्य के लिए लड़ेंगे रितेश देशमुख

● दमदार टीजर ने सोशल मीडिया पर मचाया तहलका, संजय दत्त का दिखा खूंखार अवतार

बॉलीवुड में इन दिनों ऐतिहासिक फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है. इसी बीच रितेश देशमुख की बड़ी फिल्म राजा शिवाजी चर्चा में आ गई है, जिसका टीजर आज रिलीज कर दिया गया है. टीजर ने आते ही दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है और सोशल मीडिया पर इसकी खूब तारीफ हो रही है. यह फिल्म मराठा साम्राज्य के महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर बनी है, जिसे बड़े लेवल पर पेश करने की तैयारी की गई है.

टीजर की शुरुआत संजय दत्त की दमदार आवाज से होती है, जो एक सवाल पूछते हैं, मराठा के मुकदर में मौत लिखी है या गुलामी? इसके बाद बगावत और संघर्ष की झलक दिखाई देती है. फिल्म में रितेश देशमुख छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ रहे हैं और उनका अंदाज बहुत दमदार लग रहा है. फिल्म में शिवाजी और संभाजी की चुनौतियों और देश के लिए बलिदान को दिखाया गया है. इसके अलावा अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, फरदीन खान और जेनेलिया देशमुख जैसे कलाकारों की झलक भी देखने को मिली है और संजय दत्त विलेन के रूप में नजर आ रहे है. बता दें, राजा शिवाजी फिल्म को रितेश देशमुख ने ही लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है, जो उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है. इसका म्यूजिक मशहूर जोड़ी अजय-अतुल ने तैयार किया है और सिनेमैटोग्राफी का काम संतोष सिवन ने संभाला है. फिल्म की शूटिंग वाई, महाबलेश्वर, सतारा और मुंबई जैसी लोकेशनों पर की गई है. इस प्रोजेक्ट की घोषणा फरवरी 2024 में हुई थी और अब यह 1 मई 2026 को ये सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. खास बात है कि रिलीज के समय इसका मुकाबला आमिर खान की प्रोड्यूस की गई फिल्म एक दिन से होगा, जिसमें जुनैद खान और साई पल्लवी नजर आएंगे.

धुरंधर 2 का कारोबार 1,700 करोड़ रुपये पार; 3,000 करोड़ रुपये कमाने वाली पहली भारतीय फ्रैंचाइजी

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। चौथे हफ्ते में घरेलू कमाई भले ऊपर-नीचे देखने को मिली हो, लेकिन वीकेंड पर इसने रफ्तार को बनाए रखा। फिल्म ताबड़तोड़ कमाई करते हुए 1,100 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री लेने के लिए तैयार है। वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 25 दिनों के अंदर कुल 1,712.98 करोड़ रुपये का कारोबार कर दिखाया है। आइए जानते हैं ताजा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर 2 ने रिलीज के 25वें दिन, यानी रविवार को 14.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं 24वें दिन, यानी शनिवार को फिल्म ने 13.50 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार को बनाए रखते हुए फिल्म ने कुल 1,083.67 करोड़ रुपये की कमाई की है। जल्द ही यह भारत में 1,100 करोड़ रुपये के क्लब में दस्तक देने वाली बॉलीवुड फिल्म बन जाएगी।

धुरंधर 2 पिछले साल 5 दिसंबर को रिलीज हुई धुरंधर का सीक्वल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह भारत की पहली ऐसी फ्रैंचाइजी बन गई है जिसने 3,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। पहली किस्त ने वैश्विक स्तर पर 1,307.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं सीक्वल ने विश्वस्तर पर 1,700 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जिसके बाद 2 भागों वाली इस फ्रैंचाइजी ने विश्वस्तर पर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए हैं।

धुरंधर 2 1,700 करोड़ कमाने के बावजूद अभी अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 से पीछे है। इस फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 1,742 करोड़ रुपये है, जिसे पार करने के लिए धुरंधर 2 कमर कस रही है।

धुरंधर 2 के आगे डकैत संडे को भी नहीं चमकी, तीसरे दिन किया बस इतना कलेक्शन

कई बार देरी का सामना करने के बाद, अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैत आखिरकार 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें थीं, लेकिन रिलीज के बाद इसे मिला-जुला रिव्यू मिला और इसने ठीक-ठाक शुरुआत की. हालांकि फिल्म ने वीकेंड पर इसने शानदार परफॉर्म किया. चलिए यहां जानते हैं डकैत ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को कितना कलेक्शन किया है? डकैत का निर्देशन शनैल देव ने किया है. इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था हालांकि धुरंधर 2 के तूफान के आगे ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार शुरुआत नहीं कर पाई और ये पहले दिन डबल डिजिट में कमाई नहीं कर पाई. हालांकि इस फिल्म ने दूसरे दिन अपनी कमाई में तेजी दिखाई लेकिन तीसरे दिन इसके कलेक्शन फिर थोड़ी गिरावट देखी गई. हैरानी की बात ये है कि ये फिल्म रविवार को छुट्टी वाले दिन बंपर कमाई नहीं कर पाई है. वहीं रणवीर सिंह की 25 दिन पुरानी फिल्म धुरंधर 2 ने चौथे रविवार फिर कहर ढाया है और 14 करोड़ से ज्यादा कमाई की है. वहीं डकैत के कारोबार की बात करें तो इसन सबके बीच फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो डकैत ने रिलीज के पहले दिन 6.55 करोड़ कमाए. इसके बाद दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.85 करोड़ का कारोबार किया. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक डकैत ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ डकैत का तीन दिनों का कुल कलेक्शन अब 19.80 करोड़ रुपये हो गया है. डकैत की कमाई में तीसरे दिन यानी संडे को बेशक गिरावट आई लेकिन इसने तीन दिनों के कलेक्शन के साथ ही अदिवी शेष की फिल्म ने 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्मों की टॉप 10 लिस्ट में जगह बना ली है. फिलहाल ये 6ठे नंबर पर है और इसने विष्णु विन्यासम और राकासा जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है.

कारा में पुलिस ऑफिसर का रोल अदा करेंगे सूरज वेंजारामूडु, धनुष की फिल्म को लेकर बढ़ी उत्सुकता

साउथ सिनेमा अपनी दमदार कहानियों और अलग तरह के किरदारों के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब किसी बड़ी फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आती है, तो फैंस की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। इसी बीच अभिनेता धनुष की आने वाली फिल्म कारा जबरदस्त चर्चा में है। फिल्म के मेकर्स लगातार एक-एक करके किरदारों का खुलासा कर रहे हैं। बुधवार को फिल्म के मेकर्स ने बताया कि मलयालम अभिनेता सूरज वेंजारामूडु इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नज़र आएंगे। उनके किरदार का नाम भारतन है। फिल्म का निर्माण कर रही वेल्स फिल्म इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस किरदार का खुलासा किया। उन्होंने सूजर के किरदार का फर्स्ट लुक भी जारी किया। इस लुक में वह एक सख्त पुलिस इंस्पेक्टर के अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, भारतन ड्यूटी पर हैं, और फिल्म से जुड़े और भी अपडेट आने वाले हैं। इससे पहले भी मेकर्स फिल्म के दूसरे किरदारों को लेकर जानकारी साझा कर चुके हैं। फिल्म की मुख्य अभिनेत्री ममिता बैजू को सेल्ली नाम के किरदार में देखा जाएगा।

वहीं जाने-माने निर्देशक और अभिनेता के. एस. रविकुमार फिल्म में कंधासामी की भूमिका निभा रहे हैं। इन किरदारों के नाम सामने आने के बाद से ही फिल्म की कहानी को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फिल्म की शूटिंग जारी है। कुछ समय पहले सेट से एक तस्वीर साझा की गई थी, जिसमें धनुष एक फोन बूथ से बात करते हुए नजर आए थे। फिल्म में धनुष और ममिता के अलावा इसमें जयराम, करुणास और पृथ्वी पंडिराज जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन विग्नेश राजा कर रहे है। साथ ही उन्होंने अल्फ्रेड प्रकाश के साथ मिलकर फिल्म की कहानी भी लिखी है। दोनों ने पहले फिल्म पोर थोझिल में काम किया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली थी।

फिल्म चांद मेरा दिल का टाइटल ट्रैक आज होगा रिलीज

अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की आगामी फिल्म चांद मेरा दिल फिर से चर्चा में है। हाल ही में, निर्माताओं द्वारा फिल्म का पहला टीजर वीडियो जारी किया गया था, जिसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। अब निर्माताओं ने फिल्म के टाइटल ट्रैक को लेकर अपडेट साझा किया है। बता दें, चांद मेरा दिल एक म्यूजिकल-रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शन द्वारा किया जा रहा है। विवेक सोनी ने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी उठाई है। धर्मा प्रोडक्शन ने पोस्ट के जरिए बताया है कि फिल्म का टाइटल ट्रैक 14 अप्रैल को जारी किया जाएगा। दरअसल, पहले इसे 13 अप्रैल को जारी किया जाना था, लेकिन दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन (12 अप्रैल) के कारण योजना में बदलाव किया गया है। इस फिल्म के जरिए करण जौहर एक बार फिर प्यार, पागलपन और दर्द भरी प्रेम-कहानी पर्दे पर लाने को तैयार हैं। यह 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

भूत बंगला पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, मिला यू/ए सर्टिफिकेट; फिल्म से कटा इतने मिनट का सीन

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला को सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। इसका मतलब है कि अब 16 साल से कम उम्र के बच्चे अपने माता-पिता के साथ यह फिल्म देख सकते हैं। इसके साथ ही फिल्म को सर्टिफिकेट मिलने से पहले सेंसर बोर्ड ने कई बदलाव करने को कहा, जिन्हें निर्माताओं ने मान लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने के बाद भी निर्माताओं ने कुछ सीन हटाने को कहा है। उन्होंने कुल 63 सींस हटाए। सबसे बड़ा कट 'ओ सुंदरी गाने के एक सीन का था, जो पूरे 1 मिनट 12 सेकंड का था। 'ओ रे ओ सांवरिया गाने से भी 27 सेकंड काटे गए। इन सब कट्स के बाद फिल्म की लंबाई 10 मिनट 5 सेकंड कम हो गई। अब फिल्म की फाइनल लंबाई है 2 घंटे 44 मिनट 52 सेकंड है। फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भूत बंगला के पेड प्रिव्यू शोज 16 अप्रैल की रात 9 बजे से शुरू हो जाएंगे। इस फिल्म को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, असरानी, परेश रावल, राजपाल यादव और तब्बू के अलावा कई कलाकार नजर आएंगे।

'फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है... पूजा हेगड़े ने 'जन नायकन पायरेसी पर जताया दुख

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इस से सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे। वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर-कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रोडक्शन हाउस ने आम जनता को सलाह दी कि लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे शेयर करें। अगर किसी को ऐसे कंटेंट मिले तो उसे तुरंत डिलीट कर दें। 'जन नायकन एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जो थलापति विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर एच. विनोद हैं।

Adani Foundation Extends Aid to Bereaved Family in Pirpainti

DB Reporter

Bhagalpur: Demonstrating corporate social responsibility, Adani Foundation extended humanitarian assistance to a bereaved tribal family in Pahariya Tola, near the under-construction power plant site in Pirpainti block.Following a recent death in the family, the foundation, in coordination with Adani Power, provided essential relief materials, including food grains and daily-use ration items, to support the family during their difficult time.The initiative aimed to offer immediate relief and ensure that the affected family does not face hardship in meeting basic needs. The effort was appreciated as a compassionate step toward community support and welfare.Several local representatives and officials were present during the distribution, including Ranjit Paswan, ward councillor Riju Pahariya, village head Varun Goswami, and representatives from Adani Foundation and Adani Power.The initiative highlights the importance of timely assistance and community engagement in times of crisis.

Nitish Kumar exits centre stage; BJP era begins

Patna, Agency: Janata Dal (United) supremo Nitish Kumar on Tuesday tendered his resignation as the chief minister of Bihar, setting the state towards a new era of politics. BJP's Samrat Choudhary is all set to take the oath as the next CM. With Lalu Yadav out of active politics and Nitish Kumar now in Rajya Sabha, this also marks the end of the long-running political lineage that revolved around the ideals of Jay Prakash Narayan, Karpoori Thakur, and Lohia after over three decades.

Now, Bharatiya Janata Party - which for long played the role of second fiddle to Nitish's JD(U) - is set to take the centre stage with Samrat Chaudhary as their new CM pick.

End of an era: After the Sampoorn Kranti movement during the Emergency, the socialist ideology seeped deep into the state. JP took many youth leaders under his wings, many of whom later became the bigwigs of Bihar. Additionally, this was also an era of Karpoori Thakur, during which a new grammar of power emerged, where caste was not hidden beneath euphemisms but spoken of as politics of representation.

The fine-tuning of these ideologies led to the rise of two of the tallest leaders of the state - Lalu and Nitish - who cemented the vision of samajik nyay on which Bihar's identity politics rests. Lalu, the popular leader known for jests, ruled for over 15 years. After his decline, Nitish, known as Sushasan Babu, ruled the next 21 years, which came to an end on Tuesday.

Rise of BJP in Bihar: Choudhary's elevation marks a landmark political transition in Bihar as he will be the first BJP leader to assume the top post in the state by replacing Nitish. However, Nitish's exit plan seems to have been made long ago. After the National Democratic Alliance's overwhelming victory in last year's assembly elections and the BJP's extraordinary performance, rumours began to swirl that Nitish might step down from the top job, making way for the BJP in a state that was under its control yet out of reach.

Curbs on nicotine gums, lozenges may make quitting harder, say expertsl

New Delhi, Agency: Access to quitting aids like nicotine gums and lozenges may soon tighten, raising concerns among experts that it could make it harder for smokers to quit.The trigger is a recommendation by India's top drug advisory body to restrict over-the-counter access to most nicotine replacement products. The proposal allows exemption only for unflavoured 2 mg nicotine gum, excludes nicotine lozenges (2 mg), and keeps all other nicotine replacement products outside the exemption.

Currently, some of these products are available without a licence, making them easier to access. The proposed changes could mean fewer options and more hurdles for those trying to quit, even as tobacco products remain widely available.

Experts say the concern stems from how addiction works. Nicotine-not the act of smoking-is the addictive substance, and withdrawal symptoms like low mood and poor concentration often push users back to cigarettes.

Nicotine replacement therapies-gums, lozenges and patches-help manage these symptoms by delivering nicotine without the thousands of harmful chemicals in tobacco smoke that cause cancer, COPD and heart disease. But they are not a guaranteed solution. "Many users continue smoking along with nicotine patches or gums, which defeats the purpose and may even increase overall nicotine intake," said Prof (Dr) GC Khilnani, chairman PSRI institute of Pulmonary and former head of pulmonary, AIIMS, Delhi.

While nicotine is less harmful than tobacco smoke, it is not risk-free and can have cardiovascular effects, making medical supervision advisable, he said.

India, with over 1.35 million tobacco-related deaths annually, depends heavily on accessible quitting support. Experts warn that even small barriers-like prescription requirements or limited availability-can discourage quit attempts.

There are also concerns about balance. While quitting aids face tighter scrutiny, tobacco products continue to be widely sold.

The panel has proposed safeguards, including a ban on sale to minors, monitoring of online sales, post-marketing surveillance, and possible restrictions on tobacco industry involvement in marketing these products due to conflict of interest concerns.

CBI files 22 new FIRs against builders, raids 77 locations across 8 states

New Delhi, Agency: CBI filed 22 fresh FIRs and raided 77 locations across 8 states and UTs on Tuesday in compliance with Supreme Court's order to investigate an "unholy nexus" between builders and bank officials cheating innocent homebuyers. "These coordinated search operations are part of a nationwide crackdown. Officials seized incriminating documents, digital devices, and other materials," said a CBI spokesperson.

The raids aimed at gathering crucial evidence to unravel the larger conspiracy involving alleged diversion of funds, financial irregularities, and fraudulent practices in the housing real estate sector, an official said.

CBI had earlier filed 28 cases against various builders. "Those cases are under final stages of investigation," the agency said.

Early last year, SC had directed CBI to file seven cases against builders in NCR following petitions from over 1000 homebuyers. Later, the court asked the agency to register six more FIRs to investigate real estate projects in Mumbai, Bengaluru, Kolkata, Mohali, and Prayagraj.

Most of the cases pertain to NCR projects duping homebuyers through "subvention schemes". The petitioners have alleged that bank officials disbursed loans to builders under the scheme without due diligence as the projects remained on paper only.

2,926 candidates in fray for West Bengal poll

New Delhi, Agency: The Election Commission of India (ECI) on Tuesday announced that a total of 2,926 candidates are contesting the West Bengal Assembly elections, scheduled to be held in two phases on April 23 and April 29. The results will be declared on May 4. According to the final list, 1,478 candidates will contest in the first phase across 152 constituencies, while 1,448 candidates will compete in the second phase, covering 142 constituencies, the poll body confirmed.

The last date for filing nominations for the second phase was 9 April. Scrutiny of nominations took place on 10 April, and candidates were permitted to withdraw their papers until 3 pm on April 13. The Commission has directed returning officers to publish the final list of candidates in the official gazette. They have also been instructed to securely store all election-related documents, including nomination papers, in sealed envelopes.

Additionally, ballot papers for electronic voting machines (EVMs) will feature coloured photographs of candidates along with key details such as serial number and party symbol, making it easier for voters to identify them.

West Bengal is set to witness a high-stakes contest between the incumbent Trinamool Congress (TMC), which is seeking a fourth consecutive term, and the Bharatiya Janata Party (BJP), positioning itself as the principal challenger. The BJP had secured 77 seats in the 2021 Assembly elections, a sharp rise from just three seats in 2016.

Zoji La tunnel to Ladakh on brink of breakthrough

Srinagar , Agency: Zoji La tunnel, an upcoming strategic corridor that will provide all-weather connectivity between Kashmir and Ladakh, is nearing a defining moment, with engineers inching towards a "breakthrough" final blast expected around May 30.

Work is progressing at about four meters per day from both ends -- Sonamarg (Baltal) in Kashmir and Minamarg in Ladakh -- using controlled drilling and blasting. Only 300 meters of the 13.155km tunnel is left to excavate, Harpal Singh, chief operating officer (COO) of Megha Engineering and Infrastructure Ltd (MEIL), told Media. The Hyderabad-based company is executing the project.

"The final blast will bring the excavation phase to a close, completing the tunnel's core structure," Singh said, adding the blast will signal the physical connection between Kashmir and Ladakh.

According to Singh, this historic milestone will be achieved by reducing tunnel excavation to zero within 30 to 35 days. "Breakthrough will ensure speedy construction of the remaining works, including concrete lining, permanent tunnel drainage, installation of surveillance equipment, control buildings, underground transformers and (traffic) smoke control systems," Singh explained. The tunnel is still another two-and-a-half years from completion.

Why Kamal Haasan's missed bigger role in multi-starrer TN politics

New Delhi, Agency: last month, when Kamal Haasan drove into Anna Arivalayam, the DMK headquarters in Chennai, to accept the Rajya Sabha nomination from CM M K Stalin, it marked the end of the road for the Makkal Needhi Maiam (MNM) founder's promise to provide an alternative to the two Dravidian parties in Tamil Nadu.

Haasan launched MNM in Feb 2018, seeking to distil the anger against the establishment. MNM's first political promo ahead of 2019 Lok Sabha elections showed the actor breaking a TV set that's beaming a speech, ostensibly by Stalin. Cut to 2026 and, having accepted a Rajya Sabha nomination, Haasan "magnanimously" surrendered the three assembly seats DMK had offered to MNM as an alliance offering.

Why did Haasan, who redefined success in movies, fail to live up to his promise as a politician? The mistakes, probably, started early. MNM, true to its name ('Maiam' means centre), sought to be a centrist force, representing diverse sections of society. That positioning itself was seen as lacking credibility, since Haasan was known for his leftist views much before his political entry. Being at the centre of the political discourse also smacked of political ambivalence.

In the poll arena, MNM met with successive electoral setbacks. In 2019 Lok Sabha polls, it contested 37 seats and drew a blank, with a vote share of 3.7%. In 2021 assembly elections, it fielded candidates in 154 seats, won nothing, and saw its vote share dip to 2.5%. In neighbouring Puducherry, it got just 1.8% votes. Ahead of the 2024 general elections, MNM joined the DMK-led alliance.

Following the demise of influential leaders such as Jayalalithaa and M Karunanidhi, many saw a new political space in Tamil Nadu, which film personalities like Haasan and Rajinikanth could potentially fill.

Judiciary must integrate into citizens' daily lives: CJI Kant

New Delhi, Agency: Chief Justice of India Surya Kant stated that the Indian judiciary cannot remain confined to imposing buildings or geographical limits. Instead, it must evolve into an accessible, responsive service seamlessly integrated into citizens' daily lives. Delivering the 4th Ashok Desai Memorial Lecture on "Reimagining Justice: The Indian Judiciary 50 Years Hence" in New Delhi on Monday, the CJI said: "Indian judiciary of the future cannot remain confined within imposing buildings or constrained by geography. It must transform into a service that is accessible, responsive and seamlessly integrated into the daily lives of citizens."

He added: "In such a vision, justice is no longer something one must travel to seek, but something that reaches individuals efficiently, equitably and with a sensitivity to the realities of a changing society." The judiciary's goal must be a system that, 50 years from now, proves more accessible, responsive, and closely woven into citizens' lives, the CJI said. He noted that future judges cannot limit themselves to being legal specialists or jurists.

'Transformative step': Former President Pratibha Patil writes to PM Modi expressing support for women's reservation bill

New Delhi, Agency: Former President Pratibha Devisingh Patil wrote to Prime Minister Narendra Modi expressing her strong support for the implementation of the women's quota bill, calling it a 'transformative step' for India's democracy.

Patil, who served as the country's first woman and 12th President from 2007 to 2012, said the 'landmark' Nari Shakti Vandan Adhiniyam constitutional amendment would significantly strengthen women's representation in legislative bodies and deepen democratic participation.

"India has consistently witnessed the extraordinary contributions of women across every sphere of national development, often surmounting formidable social and structural barriers," Patil said, adding that this legislation formally recognises their immense potential and institutionalises pathways for their leadership at the highest levels of governance. "It marks a decisive stride towards bridging historical inequities and creating a more just and equitable society," she added. Her remarks come ahead of a Special Session of Parliament beginning April 16, where amendments to the Act and a proposed delimitation bill are expected to be taken up to enable one-third reservation for women in Parliament.

In her letter, Patil described the legislation as "far more than a legal provision," saying it reflects a collective resolve to advance gender equality and promote inclusive governance. "I am confident that this progressive initiative will ignite the aspirations of countless women, particularly from rural and marginalised communities, encouraging them to pursue leadership roles and contribute meaningfully to nation-building," she said.

Highlighting the broader impact, she noted that greater representation of women in Parliament and state legislatures would enrich debates, lead to more balanced policymaking, and inspire future generations to take part in public life.

"I commend the leaders and all stakeholders who worked tirelessly over the years to turn this long-cherished dream into reality. This landmark reform will undoubtedly play a pivotal role in realising the vision of a more equitable, empowered, and inclusive India. With best wishes for sustained efforts towards women's empowerment and national progress," Patil added.

Her endorsement comes amid political differences, with Sonia Gandhi criticising the timing of the Bill and terming it an "underhand tactic." Patil, however, expressed confidence that the reform would encourage women, especially from rural and marginalised communities, to pursue leadership roles and contribute to nation-building, while signalling India's commitment to gender justice and inclusive democracy.